लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सोमवार, 4 अगस्त, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 25
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

मुश्किलें वे औजार हैं जिनसे ईश्वर हमें बेहतर कामों के लिए तैयार करता हैं। - एच. डबल्यू वीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi
NIGHT 26° Low

संक्षेप

दिल्ली -एनसीआर में झमाझम बारिश, आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में शुरू हुई बारिश रविवार सुबह तक रुक-रुक कर जारी रही। बरसात से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मध्यम से भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। आईएमडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बुलेटिन में बताया, एनसीआर (बहादुरगढ़, मानेसर) में हल्की से मध्यम बारिश के साथ हल्की गरज और बिजली गिरने की आशंका है। लोनी देहात, हिंडन वायुसेना स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छपरौला, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और बल्लभगढ़ सहित पूरे दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश होने की आशंका है। शनिवार शाम को भी दिल्ली के कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश हुई। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम 32.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 5 अगस्त तक अधिकतम तापमान 33 से 35 के आसपास रहने का अनुमान जताया गया है। पूरे देश की बात करें, तो उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और उत्तरी बिहार में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। वहीं, अगले 5-6 दिनों के दौरान तमिलनाडु और केरल में भारी से बहुत भारी वर्षा की आशंका है। वहीं, मध्य भारत में हल्की बारिश की गतिविधियां होने की संभावना है।

खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा समय से पहले स्थगित

नई दिल्ली। वार्षिक अमरनाथ यात्रा रविवार से स्थगित कर दी गई है। यह यात्रा 9 अगस्त को संपन्न होने वाली थी, लेकिन अब यह यात्रा लगभग एक सप्ताह पहले ही स्थगित कर दी गई है। अधिकारियों ने यात्रा को समय से पहले बंद करने के पीछे खराब मौसम और यात्रा मार्गों की बिगड़ती स्थिति को मुख्य कारण बताया। तीन दिन पहले भारी बारिश के कारण यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। इसी बीच, शनिवार को अधिकारियों ने घोषणा की कि बालटाल और पहलगाम, दोनों पारंपरिक मार्गों से यात्रा फिर से शुरू नहीं होगी, क्योंकि मार्ग असुरक्षित हैं और तत्काल मरम्मत की जरूरत है। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी के अनुसार, हाल की भारी बारिश ने इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे तीर्थयात्रियों के लिए मार्ग असुरक्षित हो गया है। उन्होंने बताया कि दोनों मार्गों की तत्काल मरम्मत और रखरखाव की जरूरत है, और मरम्मत के लिए मशीनरी और कर्मचारियों को तैनात करते हुए यात्रा को जारी रखना संभव नहीं है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष लगभग चार लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा के दर्शन करने में सफल रहे। हालांकि, अधिकारियों ने इस बात को भी स्वीकार किया कि पिछले सप्ताह तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आई है, शायद मौसम की खराबी के कारण। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए एक बड़े आतंकी हमले के बाद इस साल की यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था काफी बढ़ा दी गई थी।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा फैसला: 35 आवश्यक दवाओं की कीमतें घटीं, लाखों मरीजों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। मरीजों के लिए दवाओं को अधिक किफायती बनाने की दिशा में राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने प्रमुख दवा कंपनियों द्वारा बेची जाने वाली 35 आवश्यक दवाओं की खुदरा कीमतों में कटौती की है।

अब कम कीमत वाले इन फॉर्मूले में हृदय-संबंधी, एंटीबायोटिक, मधुमेह-रोधी और मानसिक रोगों से संबंधित दवाओं सहित कई प्रकार की दवाएं शामिल हैं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने एनपीपीए द्वारा मूल्य विनियमन के आधार पर इस आदेश को अधिसूचित किया है। सभी दवाओं पर लागू होने

वाली कीमतों में कटौती से उपभोक्ताओं, विशेष रूप से पुरानी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को राहत

प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के अंतर्गत आने वाले प्रमुख फॉर्मूले में एसिक्लोफेनाक, पैरासिटामोल और ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन, एमोक्सिसिलिन और पोटेशियम क्लैवुलनेट के फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन, एटोरवास्टेटिन कॉम्बिनेशन और एम्पैग्लिफ्लोजिन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफॉर्मिन जैसे नए ओरल एंटीडायबिटिक कॉम्बिनेशन शामिल हैं।

अकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित और डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज द्वारा विपणन की जाने वाली एक एसीक्लोफेनाक-पैरासिटामोल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन टैबलेट की कीमत अब 13 रुपए तय की गई है, जबकि कैडिला फार्मास्युटिकल्स द्वारा विपणन की जाने वाली इसी दवा की कीमत अब

इसी प्रकार, हृदय संबंधी बीमारियों के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 मिलीग्राम युक्त एक टैबलेट की कीमत 25.61 रुपए तय कर दी गई है। बाल चिकित्सा इस्तेमाल के लिए ओरल सस्पेंशन सेफिक्साइम और पैरासिटामोल कॉम्बिनेशन को भी शामिल किया गया है, साथ ही विटामिन डी पूरकता के लिए कोलेकैल्सिफेरॉल ड्रॉप्स और डिक्लोफेनाक इंजेक्शन जैसी महत्वपूर्ण दवाओं को भी शामिल किया गया है, जिनकी कीमत 31.77 रुपए पर एमएल है। आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि खुदरा विक्रेताओं और डीलरों को अपने परिसर में इन अपडेटेड प्राइस लिस्ट को प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। नोटिफाइड कीमतों का पालन न करने पर डीपीसीओ, 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दंडात्मक प्रावधान लागू हो सकते हैं, जिसमें ब्याज सहित अधिक वसूली गई राशि को वसूलना शामिल होगा। एनपीपीए ने साफ किया है कि निर्धारित मूल्यों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) शामिल नहीं है, जिसे लागू होने पर जोड़ा जा सकता है। निर्माताओं को सभी वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना होगा, इंटीग्रेटेड फार्मास्युटिकल डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से फॉर्म ङ्क में अपडेटेड प्राइस लिस्ट जारी करनी होगी और एनपीपीए तथा राज्य औषधि नियंत्रकों को जानकारी देनी होगी।

'बांग्ला' को बताया बांग्लादेशी भाषा! दिल्ली पुलिस पर बिफरी टीएमसी, कहा- माफी मांगे

कोलकाता। बांग्लाभाषियों को कथित रूप से बांग्लादेशी करार दिए जाने के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लगातार आंदोलन का ऐलान किया है और आरोप लगाया है कि बंगालियों का अपमान किया जा रहा है। बांग्ला भाषा का अपमान किया जा रहा है। बांग्ला बोलने के कारण बंगाली लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। अब तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि दिल्ली पुलिस ने बांग्ला को बांग्लादेशी भी भाषा करार दिया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से माफी मांगने की मांग की।

तृणमूल कांग्रेस ने सोशल साइट एक्स पर दिल्ली पुलिस को लिखे पत्र को पोस्ट किया है। इस पोस्ट में कहा गया है कि बंगालियों के प्रति बीजेपी की नफरत की कोई सीमा नहीं है?

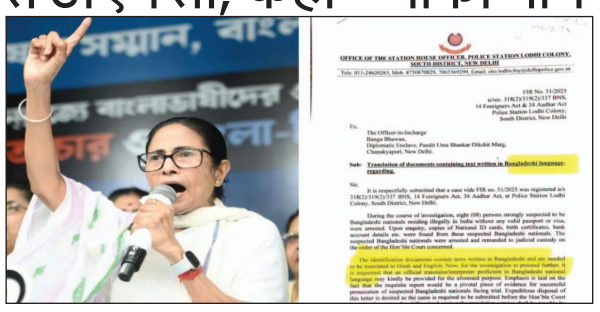

भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी कार्यकर्ताओं को बार-बार परेशान किया जा रहा है और उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है। अब बांग्ला को आधिकारिक तौर पर "बांग्लादेशी भाषा" बताया गया है। हर हद पार कर ली गई है। पोस्ट में लिखा गया है कि कोई गलती न करें: यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है। यह एक जानबूझकर किया गया अपमान है, एक संवैधानिक रूप से मान्यता प्राप्त भारतीय भाषा की पहचान छीनने और लाखों बंगाली भाषी भारतीयों को अपने ही देश में बाहरी के रूप में चित्रित करने का एक आधिकारिक प्रयास है। उन्होंने कहा कि बांग्ला दुनिया भर में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाती है और इसे भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक माना जाता है।

कैदी संख्या 15528... सजा के ऐलान के बाद ऐसी बीती प्रज्वल रेवन्ना की पहली रात, खूब रोया

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री और JD(S) सुप्रीमो एच. डी. देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना ने अदालत के फैसले के बाद शनिवार को जेल में अपनी पहली रात बिताई। अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया। बताया जा रहा है कि वह रो रहे थे और काफी परेशान दिखाई दे रहे थे। जेल के एक अधिकारी ने बताया कि रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में कैदी की संख्या दी गई है। उन्हें कैदी संख्या 15528 आवंटित की गई। बता दें कि प्रज्वल रेवन्ना के ऊपर पिछले साल यौन शोषण को लेकर चार मामले दर्ज किए गए थे। जिनमें से एक मामले में उन पर आरोप था कि उनके घर में काम करने वाली 48 साल की महिला के साथ उन्होंने बलात्कार किया है। इसी मामले में शुक्रवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए रेवन्ना को उम्रकैद की सजा सुनाई।

स्वास्थ्य की हुई जांच

जेल के डॉक्टरों ने शनिवार देर रात उनके स्वास्थ्य की जांच की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनकी हालत सामान्य हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चिकित्सा जांच के दौरान वह रो पड़े और उन्होंने कर्मचारियों के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त की। बताया जा रहा है कि प्रज्वल ने कर्मचारियों को सूचित किया कि उन्होंने कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

सुरक्षा कोठरी में हैं बंद

प्रज्वल इस समय एक उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में बंद हैं और उन्हें कड़ी सुरक्षा प्रदान की जा रही है। जेल अधिकारियों ने बताया कि दोषियों को एक मानक ड्रेस कोड का पालन करना पड़ता है और उन्हें भी कैदियों को दी जाने वाली वर्दी पहननी होगी। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह प्रज्वल को आधिकारिक तौर पर कैदी संख्या 15528 आवंटित की गई। प्रज्वल को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा के साथ-साथ कोर्ट ने प्रज्वल पर कुल 11 लाख 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। कोर्ट ने निर्देश दिया की 11 लाख 25 हजार रुपये पीड़िता के परिवार को दिए जाए। बताया जा रहा है कि 2021 में प्रज्वल ने अपनी 48 वर्षीय घरेलू सहायिका के साथ हसन फार्म हाउस और बेंगलुरु स्थित आवास पर दो बार बलात्कार किया गया और आरोपी ने इस घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया।

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल, संसद में की चर्चा की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल पिछले काफी समय से निर्वाचन आयोग पर सवाल खड़े करते आ रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) को लेकर लगातार चुनाव आयोग पर हमला पर हैं। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता संदिग्ध है, यही वजह है कि विपक्षी दल संसद में मतदाता सूची के संशोधन पर चर्चा चाहते हैं।

रविवार (3 अगस्त) को कांग्रेस की असम इकाई की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक शुरू होने से पहले पत्रकारों पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि आज लोगों के मन में निर्वाचन

आयोग की निष्पक्षता को लेकर सवालिया निशान है इसलिए हम संसद में चर्चा चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता संदिग्ध है। वहीं केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार कुछ छिपाने की कोशिश कर रही है, लेकिन वह क्या है ये नहीं पता। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह पिछले विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों में उनकी (सरकार) हेराफेरी है?।

चुनाव आयोग कर रहा अधिकारों का दुरुपयोग, इसका राजनीतिक और कानूनी विरोध जरूरी : चिदंबरम

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने बिहार में मतदाता सूची की विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग (ईसीआई) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग राज्यों की चुनावी संरचना और मतदाता स्वरूप को बदलने की कोशिश कर रहा है, जो अधिकारों का ₹दुरुपयोग₹ है और इसका विरोध राजनीतिक व कानूनी तरीके से किया जाना चाहिए। पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि बिहार में 65 लाख मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं, जबकि तमिलनाडु में 6.5 लाख नए मतदाताओं को जोड़ने की खबरें चिंताजनक और गैरकानूनी हैं। उन्होंने कहा, 'इन लोगों को स्थायी रूप से पलायन कर चुके

बताना प्रवासी मजदूरों का अपमान है और यह तमिलनाडु की जनता के अपने चुने हुए प्रतिनिधि चुनने के अधिकार में सीधी दखलअंदाजी है।' उन्होंने सवाल उठाया कि जब छठ पूजा जैसे त्योहारों में प्रवासी मजदूर अपने राज्य लौट सकते हैं, तो क्या विधानसभा चुनाव के समय नहीं लौट सकते?

चिदंबरम ने यह भी कहा, 'कोई भी व्यक्ति तभी मतदाता सूची में शामिल हो सकता है जब उसका स्थायी और कानूनी निवास हो। प्रवासी मजदूरों का ऐसा निवास बिहार या उनके गृह राज्य में होता है, फिर उन्हें तमिलनाडु में मतदाता के रूप में कैसे जोड़ा जा सकता है?' उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग जानबूझकर राज्यों की चुनावी पहचान और पैटर्न को बदलने का प्रयास कर रहा है। विपक्ष इस पूरे मुद्दे पर संसद में विरोध कर रहा है और इस पर चर्चा की मांग कर रहा है। इसके साथ चिदंबरम ने दोहराया, 'चुनाव आयोग का यह व्यवहार लोकतंत्र के लिए खतरा है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस लड़ाई को राजनीतिक और कानूनी दोनों मोर्चों पर लड़ा जाना चाहिए।'

'तेजस्वी यादव ने दो मतदाता पहचान पत्र रखकर अपराध किया', भाजपा बोली- इसी लिए एसआईआर का हो रहा विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण के मामले पर खूब हंगामा जारी है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका नाम ही मतदाता सूची से गायब है और उन्होंने चुनाव आयोग की एसआईआर की पूरी कवायद को सवालों के घेरे में खड़ा करने की कोशिश की। हालांकि चुनाव आयोग ने तुरंत स्पष्ट कर दिया कि तेजस्वी यादव का नाम नहीं कटा है और वोटर लिस्ट जारी कर दी। अब भाजपा ने तेजस्वी यादव के पास दो एपिक नंबर होने का दावा किया है और पूछा कि क्या तेजस्वी यादव के पास दो मतदाता पहचान पत्र हैं? भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि राजद नेता ने दो मतदाता पहचान पत्र रखकर अपराध किया है।

संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताई पूरी कहानी

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 'राजद नेता और बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने 1 अगस्त को बिहार में एसआईआर के बाद जो मतदाता सूची जारी की, उसे लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि इस मतदाता सूची में मेरा नाम नहीं है। तो क्या मैं इस बार के चुनाव में भाग ले पाऊंगा? उस समय तेजस्वी यादव ने अपने मोबाइल को दिखाते हुए EPIC नंबर बताया। तेजस्वी यादव ने जो EPIC नंबर दिया, वो है RAV2916120। यह नंबर तेजस्वी यादव ने मोबाइल पर भी डालकर दिखाया और दावा किया कि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं आ रहा है।' संबित पात्रा ने आगे कहा 'उसके बाद चुनाव आयोग और पटना के डीएम ने पूरी सच्चाई को जस का तस रख दिया और कहा कि तेजस्वी यादव झूठ बोल रहे हैं। तेजस्वी यादव का नाम मतदाता सूची में है और कटा नहीं है। उन्होंने बताया कि दीघा विधानसभा में तेजस्वी यादव का नाम पंजीकृत है और वर्तमान में पोलिंग स्टेशन नंबर 2004 में है। लाइब्रेरी बिल्डिंग एनीमल साइंस यूनिवर्सिटी और क्रम संख्या 416 में है। मगर उसके बाद जो बताया गया, वह चौंकाने वाला है। बताया गया कि EPIC नंबर डालकर जो जानकारी सामने आती है, वही जानकारी तेजस्वी यादव ने अपने 2016 के अपने नामांकन के हलफनामे में दाखिल की थी और उसी EPIC नंबर के आधार पर 2020 का चुनाव भी लड़ा था और वह नंबर है RAB0456228।

'करीब 100 सीटों पर हुआ घोटाला, चुनाव आयोग साजिश का हिस्सा', संजय राउत ने किया राहुल गांधी का समर्थन

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरफ से चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद अब उन्हें तमाम विपक्षी दलों से समर्थन भी मिल रहा है। बता दें कि शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने राहुल गांधी के धांधली के दावे का समर्थन करते हुए कहा, 'करीब 100 सीटों पर घोटाला हुआ। चुनाव आयोग इस साजिश का हिस्सा था। अगर ऐसा नहीं होता, तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं बन पाते। राहुल गांधी के पास सबूत हैं।'

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

23 जुलाई को राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि देश में चुनावों की चोरी की जा रही है। उन्होंने दावा

किया कि उनकी पार्टी ने कर्नाटक की एक लोकसभा सीट पर गहराई से अध्ययन किया है और वोट चोरी की पूरी प्रक्रिया का पता लगा लिया है। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक में हमने एक सीट को चुना और उसकी वोटर लिस्ट को डिजिटल फॉर्मेट में कन्वर्ट किया। इस प्रक्रिया में छह महीने लगे। इसके बाद हमें समझ में आ गया कि वोट चोरी कैसे होती है, कौन करता है और नए वोटर्स कहां से लाए जाते हैं।'

जनता के सामने रखेंगे सबूत- राहुल गांधी

राहुल गांधी का कहना है कि 'हमें इसका कागजी सबूत मिल गया है। हम इसे जनता और चुनाव आयोग के सामने रखेंगे।' बता दें कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव नवंबर 2024 में हुए थे और इसके कुछ महीने के बाद से ही कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी की तरफ से चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाए जा चुके हैं। उन्होंने ये भी कहा है कि महाराष्ट्र के बाद अब बिहार में वोटों की धांधली की साजिश रची जा रही है, जिसे कांग्रेस सफल नहीं होने देगी।

राहुल के आरोपों पर चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया

वहीं कांग्रेस नेता के 'वोट चोरी' वाले बयान पर चुनाव आयोग (ईसी) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आयोग ने सभी चुनाव अधिकारियों से कहा है कि वे ऐसे 'गैर-जिम्मेदाराना और निराधार' बयानों पर ध्यान न दें और पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपना काम करते रहें। चुनाव आयोग ने कहा कि इस तरह के आरोप आजकल रोजाना लगाए जाते हैं और इनका कोई ठोस आधार नहीं होता। ऐसे में अधिकारियों को चाहिए कि वे इन बयानों से प्रभावित हुए बिना, ईमानदारी से चुनाव प्रक्रिया को अंजाम दें।

'विधायक नहीं, जिलाधिकारी बनूंगी...' बच्ची का जवाब सुनकर खुश हो गए जिलाधिकारी

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया में बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे के दौरान एक मासूम बच्ची ने डीएम बनने की इच्छा जताई, लेकिन जब डीएम और विधायक ने नेता बनने की सलाह दी तो बच्ची ने साफ मना कर दिया। इस दौरान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। औरैया में जिलाधिकारी डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी और बीजेपी सदर विधायक गुड़िया कठेरिया बाढ़ के चलते राहत कार्यों का जायजा लेने पहुंचे। तभी एक बच्ची ने डीएम से मिलने की इच्छा जाहिर की और मिलते ही बोला कि वह बड़ी होकर डीएम बनेगी।

डीएम ने मुस्कराते हुए बच्ची को समझाया कि डीएम बनने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। रोज 14 घंटे काम करना होता है, जबकि नेता बनने में इतना झंझट नहीं है और डीएम से बड़ा विधायक होते हैं, लेकिन बच्ची का जवाब साफ था। हमें नेता नहीं बनना, हम मेहनत करेंगे और आप जैसे डीएम ही बनेंगे। जिलाधिकारी और विधायक गुड़िया कठेरिया ने भी बच्ची को नेता बनने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की और पूछा फिर नेता कौन बनेगा? मगर बच्ची भी टस से मस नहीं हुई और कहा कि हम मेहनत करेंगे, लेकिन अफसर ही बनेंगे।

कक्षा चार में पढ़ती है बच्ची

वायरल वीडियो में नजर आ रही बच्चे कक्षा चार में पढ़ रही है और अपने पिता के साथ बाढ़ ग्रस्त इलाके में आई थी। डीएम ने उसे आगे की पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने और ग्रेजुएशन के बाद सिविल सेवा की तैयारी करने की सलाह दी। बच्ची की ईमानदारी और आत्मविश्वास से भरी ये बातचीत अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। लोग इस वीडियो को देखकर बच्ची की खूब तारीफ कर रहे हैं। जिलाधिकारी भी बच्ची का जवाब सुनकर खुश हो गए।

लोगों ने की खूब तारीफ

लोगों ने इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा कि देश की नई पीढ़ी सही सोच रही है। इसके साथ ही कुछ ने लिखा कि देश का भविष्य सही हाथों में जाता नजर आ रहा है। वीडियो में बच्ची के साथ उनके परिजन भी नजर आ रहे हैं। बच्ची के पिता वीडियो में बता रहे हैं कि उनके बड़े भाई की बेटी भी UPSC की तैयारी कर रही हैं और IAS बनना चाहती हैं। ऐसे ही उनकी बेटी भी डीएम बनने की ख्वाहिश रखती है।

अमेरिका के विश्वविद्यालय से चन्द्रपाल राजभर को ड्राइंग-पेंटिंग में डॉक्टरेट की मानद उपाधि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। ड्राइंग और पेंटिंग के क्षेत्र में मिला असाधारण योगदान देने वाले बहुआयामी प्रतिभा के धनी जनपद सुल्तानपुर का गौरव बढ़ाने वाले चन्द्रपाल राजभर को अमेरिका के प्यूर्टो रिको स्थित एवनले विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट (ऑनोरिस कॉसा) की उपाधि प्रदान की गई है। यह उपाधि उन्हें उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति, कलात्मक निपुणता और पारंपरिक एवं समकालीन कला रूपों के संरक्षण एवं संवर्धन में उत्कृष्ट योगदान के लिए दी गई है। विश्वविद्यालय की ऑनर्स नामांकन सलाहकार समिति एवं डॉक्टरेट मॉनिटरिंग बोर्ड की संस्तुति पर यह सम्मान उन्हें 02 अगस्त 2025 को नई दिल्ली के शालीमार बाग स्थित रॉयल पेपर में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया।विश्वविद्यालय ने अपने औपचारिक पत्र में उल्लेख किया कि चन्द्रपाल राजभर की कलाकृतियाँ केवल चित्र नहीं हैं, बल्कि वे संस्कृति, संवेदना और कल्पना का जीवंत समागम हैं, जिन्होंने न केवल कला-जगत को, बल्कि आम समाज को भी गहराई से प्रभावित किया है।ड्राइंग और पेंटिंग में मानद डॉक्टरेट प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय ने यह भी कहा कि यह सम्मान उनकी कलात्मक यात्रा, नवाचार और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी दृश्य अभिव्यक्ति की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।चन्द्रपाल राजभर को यह सम्मान प्राप्त होना न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन और कला क्षेत्र के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो समर्पण और रचनात्मक दृष्टिकोण से अपने कार्यों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कला, साहित्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने चन्द्रपाल राजभर को बधाई देते हुए इसे भारत के लिए भी एक गर्व का क्षण बताया।

गोला पहुंची आयुक्त डॉ. रोशन जैकब

» श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगमता सर्वोपरि: आयुक्त डॉ. रोशन जैकब

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। सावन के चौथे सोमवार को लगने वाले ऐतिहासिक भूतनाथ मेले की तैयारियों को लेकर रविवार शाम लखनऊ मंडल की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब गोला गोकर्णनाथ पहुंची, जहां उन्होंने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा, प्रशासनिक टीम संग छोटी काशी स्थित शिव मंदिर व भूतनाथ मंदिर का निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

आयुक्त ने मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए कई दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिरों तक जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों, गलियों और श्रद्धालु मार्गों पर भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग, सफाई, जल आपूर्ति, रोशनी, शौचालय और चिकित्सा व्यवस्था की स्थिति परखते हुए जरूरी निर्देश दिए।

डॉ. जैकब ने कांवर यात्रा मार्ग का निरीक्षण करते हुए संभावित भीड़, मार्ग की चौड़ाई, निकासी व्यवस्था और बैरिकेडिंग की स्थिति को भी मौके पर खड़े होकर परखा। उन्होंने चिकित्सा सहायता केंद्र और खोया-पाया केंद्र का भी निरीक्षण किया और वहां मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी राय भी जानी। बच्चों को देखकर मुस्कराई और उन्हें दुलारा भी। आयुक्त ने कहा कि सावन का यह मेला सिर्फ धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जनआस्था का विराट प्रतीक है। लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा ही प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मंदिर मार्गों से लेकर मेले के हर सेक्टर में सफाई, चिकित्सा सहायता और सुरक्षित आवाजाही के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं। इस दौरान एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एएसपी प्रकाश कुमार, एसडीएम युगांतर त्रिपाठी, अश्वनी कुमार सिंह, तहसीलदार भीमसेन सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। मौके पर अफसरों की सक्रियता और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था को और मजबूत बनाने की ओर इशारा कर रही थी।

सावन माह के अंतिम सोमवार के मद्देनजर यातायात व्यवस्था में परिवर्तन

सुल्तानपुर। सावन माह के अंतिम सोमवार के मद्देनजर कांवड़ यात्रा और श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए अयोध्या की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए कूरेभार थाना क्षेत्र के मुजेश टोल प्लाजा से वाहनों के मार्ग को डायवर्ट किया गया है। प्रशासन के निर्देशानुसार भारी मालवाहक वाहनों जैसे ट्रक और डीसीएम को सुल्तानपुर से आने पर कूरेभार मोड़ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की ओर भेजा जा रहा है। इस कदम से अयोध्या जाने वाले मुख्य मार्ग पर भीड़भाड़ कम होगी और दुर्घटनाओं की संभावना भी घटेगी। इस व्यवस्था को सुचारू रूप से लागू करने के लिए मुजेश टोल प्लाजा और कूरेभार चौक पर पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिसकर्मी लगातार आवागमन की निगरानी कर रहे ।

गोंडा में भीषण सड़क हादसा, बेकाबू होकर नहर में गिरी बोलेरो, एक ही परिवार के 9 लोगों सहित 11 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा में रविवार को भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां इटियाथोक थाना क्षेत्र के बेलवा बहुता मजरा रेहरा में बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इनमें 9 लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंची है।

मोतीगंज थाना क्षेत्र के सीहागांव से श्रद्धालुओं का एक ग्रुप बोलेरो में सवार होकर खरगूपुर स्थित प्रसिद्ध पृथ्वी नाथ मंदिर में जल चढ़ाने जा रहा था। इसी दौरान अचानक बोलेरो सरयू नहर में जा गिरी, जिससे 11 लोगों की मौके पर ही डूबकर मौत हो गई।

बोलेरो में 15 लोग सवार थे

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बोलेरो वाहन में कुल 15 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। जैसे ही वाहन बेलवा बहुता मजरा रेहरा के पास पहुंचा, चालक अचानक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी सीधे सरयू नहर में जा गिरी। राहगीरों ने तुरंत शोर मचाते हुए स्थानीय ग्राम प्रधान और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही इटियाथोक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया।

मृतकों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। बाकी चार लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और गांव में मातम का माहौल है। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया और पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

सीएम योगी हादसे पर जताया शोक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर शोक जताया है। साथ ही अफसरों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों को 5 लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने का ऐलापन किया है।हादसे की सूचना पाकर जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

5 बेटियों ने दिया पिता की अर्थी को कंधा, मेडिकल कॉलेज ले गईं शव, देहदान करके आखिरी इच्छा की पूरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक शख्स की मौत के बाद उनकी पांच बेटियों ने उनकी अर्थी को कंधा दिया। पांचों बेटियां पिता के शव को नम आंखों से मेडिकल कॉलेज ले गईं और पिता की आखिरी इच्छा के मुताबिक उनकी शरीर का देहदान कर दिया। ये मामला अशोकनगर से सामने आया है। यहां रहने वाले आईआईटी से रिटायर्ड आर के तिवारी का शुक्रवार देर शाम उनके आवास पर लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

आर के तिवारी हमेशा अपनी पांचों बेटियों से एक ही बात कहते थे कि मेरी बेटियां बेटे से कम नहीं हैं। अब जब आर के तिवारी की मौत हुई तो उनकी बेटियों ने अपने पिता की बात को सच कर दिखाया। पिता की मौत के बाद पांचों बेटियों ने मिलकर पिता की अंतिम यात्रा में अपने चार कंधों के साथ पांचवीं बेटी ने ढपली बजाकर नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पिता की आखिरी इच्छा की पूरी

पांच बेटियों प्रियंका ,पूनम, गीतांजलि, वसुधा और भावना ने अपने पिता की इच्छा के मुताबिक उनके मृत शरीर का देहदान के लिए तैयार किया और कानपुर मेडिकल कॉलेज परिसर लेकर पहुंची। उन्होंने बताया कि उनके पिता की अंतिम इच्छा थी कि उनके शरीर का देहदान किया जाए। इससे समाज में एक अच्छा संदेश जाएगा। पिता की अंतिम इच्छा के चलते बेटियों ने कानपुर की युग दधीचि संस्था के संस्थापक मनोज सेंगर से बात की और पिता के शव को देहदान करने की इच्छा को जताया, जिसके बाद मनोज सेंगर ने सभी फॉर्मेलिटी पूरी करते हुए कानपुर मेडिकल कॉलेज को तिवारी का शव सौंप दिया।

मौन रखकर दी गई श्रद्धांजलि

इस दौरान मेडिकल कॉलेज की ओर से मृत आ रके तिवारी को एक सभा करके उनके लिए मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर युग दधीचि संस्था के संस्थापक मनोज सेंगर ने बताया कि कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिए अभी तक उनकी संस्था 303 मृत शरीर दे चुकी है। मनोज सेंगर ने बताया कि देहदान एक बड़ा दान है और समाज में एक अच्छा संदेश देता है। इसके साथ ही उन्होंने मृतक आर के तिवारी को नमन के साथ उनकी बेटियों के जज्बे को भी सलाम किया।

मनोज सेंगर ने बताया कि बेटियों का फोन उनके पास आया था कि पिता की अंतिम इच्छा शरीर को देहदान करने थी, जिसके बाद मनोज सेंगर ने कानपुर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संजय काला से संपर्क किया और देहदान विभाग में सभी जरूरी दस्तावेज सहमत पत्र लगाकर कार्रवाई को पूरा कराया गया। मेडिकल कॉलेज की ओर से बेटियों के पिता आर के तिवारी की स्मृति में नम आंखों से एक सभा आयोजित कर उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

40 डाक कांवड़ियों का जत्था छोटी काशी गोला हुआ रवाना

आर्यावर्त संवाददाता

धौरहरा-खीरी। सावन के पवित्र माह में आखिरी सोमवार को क्षेत्र के ग्राम बसंतापुर से लगभग 40 कांवड़ियों द्वारा रविवार को सरयू नदी से जल भरकर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ मंदिर के लिए रवाना हुआ। इस समय हर हाइवे,चौक और चौराहों पर कांवरियों के जत्थे भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने गोला गोकर्णनाथ पहुंच रहे हैं।

इसी कडी में ग्राम बसंतापुर से लगभग 15 किमी0 तराई क्षेत्र में जालिम नगर पुल के नीचे बहने वाली घाघरा नदी से जल भरकर कांवड़ियों का जत्था रवाना हुआ। बताया जाता है कि कांवड़ियों का जत्था सिसैया चौराहा,बसडिया चौराहा और लखीमपुर होते हुए छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ पहुंच कर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। यह कांवर हर साल सावन माह में बड़े हर्षोल्लास के साथ भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए छोटी काशी गोला जाता रहा है। बूढ़े,बच्चे और जवान सभी लगभग 95 किलोमीटर की दूरी पैदल चलकर भोलेनाथ का गोला गोकर्णनाथ का जलाभिषेक करते रहे हैं। डाक कावड़ में भाग लेने वाले शिव भक्त संतोष कुमार वर्मा, दीपेंद्र कुमार,राहुल वर्मा,अर्पित वर्मा,राम कीर्ति वर्मा,सर्वेश वर्मा, कुंज बिहारी,गोविंद विश्वकर्मा,विनीत विश्वकर्मा,अनुज वर्मा,शिवम वर्मा,अंकित कुमार,कुलदीप वर्मा आदि शिव भक्त शामिल हुए।

सार्वजनिक जन स्वास्थ्य कैम्प का हुआ आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सुल्तानपुर जिले के जयसिंहपुर ब्लॉक के अंतर्गत परशुराम युवा वाहिनी मिशन परशुराम चौक रजि. संगठन के माध्यम से सार्वजनिक जन स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन श्री राजा राम शिक्षण संस्थान जयसिंहपुर निकट केनरा मे हुआ। जहा पर दो बिभाग के डॉक्टर मौजूद रहे। आंख और हड्डी के आधुनिक मशीनों द्वारा लोगो के आँखों का निरक्षण करके उन्हें निशुल्क दवा और दस लोगो को चश्मा संगठन के माध्यम से निशुल्क दिया गया। इस कार्यक्रम की तैयारी संगठन के सभी पदाधिकारियों ने खूब मेहनत किया प्रचार प्रसार एवं कार्यक्रम को पूरा कराने मे पं घनश्याम तिवारी, पं जयप्रकाश पाण्डेय, पं अरविन्द राय, पं शिव कुमार तिवारी, पं जय मुकुंद मिश्रा, पं संतोष मिश्रा, पं विपिन पाण्डेय, पं संजय शुक्ला, पं अनिल तिवारी पं रत्नेश दुबे, व पं रविशंकर पाण्डेय सिम्पल ने संभाला तो कार्यक्रम की शुरुआत पं हरख नारायण मिश्रा वरिष्ठ समाज सेवी एवं राजेश ओझा ने भगवान श्री परशुराम जी की प्रतिमा पर धुप दीप जला के लिया। इस अवसर पे संगठन के प्रदेश प्रवक्ता पं ऋषभ देव शुक्ला, पं नरेंद्र द्विवेदी, पं कटका क्लब के अध्यक्ष पं सौरभ मिश्रा, पं आशीष पाण्डेय बरेहता, व दर्जन भर अन्य सहयोगी मौजूद रहे। स्कूल प्रबंधक वीर बहादुर गुप्ता के द्वारा कार्यक्रम मे पूरा सहयोग और समर्थन मिला जिसको लेकर संगठन के पदाधिकारियों ने स्कूल प्रबंधक का दिल से धन्यवाद एवं आभार कहाँ डॉ प्रदीप मिश्रा ने बताया कि लगभग 150 लोग आये इतने बारिश होने के बावजूद अगर संगठन को कभी कहीं पर जरूरत पड़ेगी तो हमेशा साथ लग के लोगो का निशुल्क उपचार करेंगे और जो संगठन का नाम बता के हमारे अस्पताल मे आता है उसे छूट भी दी जायेगी। स्थानीय लोगो से बातचीत मे लोगो ने कहा कि अभी तक कोई सामाजिक संगठन इस तरह के पुण्य का कार्य नही कर रहा है अपने क्षेत्र मे ऐसे मे ये संगठन बहुत सुंदर कार्य कर रहा है इसलिए सभी को इस संगठन को मजबूत करना चाहिए।

'पुलिस ने पकड़ कर मारा... फिर पेट्रोल-डीजल डाल जला दी लाश', नीरज एनकाउंटर में नया मोड़ ; भाई के गंभीर आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। 'मेरे भाई नीरज ने कोई लूट की वारदात नहीं की थी। वह एक अधिकारी की गाड़ी चलाता था। उसे फंसाया गया है। एक दिन पहले पुलिस ने घर आकर तलाशी ली। पत्नी सीमा को बंदूक का भय दिखाकर कमरे में बंद कर दिया। पुलिस कुछ सामान उठा कर ले गई। अगले दिन घर आकर पत्नी से कोरे कागज पर साइन कराए। उसके बाद बताया कि एनकाउंटर में नीरज मर गया है। यह कहना था गांव धाना, सैंया के मनोज बघेल का।'

वह भाई नीरज की मौत के बाद से सदमे में हैं। उन्होंने पुलिस पर नीरज को पकड़ कर गोली मारने का आरोप लगाया। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री और डीजीपी से करने की बात भी कही है।

दरअसल, मथुरा के फरह क्षेत्र में गोविंद नगर के व्यापारी से हुई चांदी लूट के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया था। इनमें सैयां इलाके का रहने वाला नीरज भी शामिल था। उसके पैर में गोली लगी थी। शुक्रवार तड़के उसे एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। 2 घंटे बाद इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने जब परिजन को उसकी मृत्यु की जानकारी दी तब उसके दोनों भाई गुजरात की मोरबी में ट्रक चलाने गए हुए थे। नीरज तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़े भाई मनोज और नरेंद्र ट्रक चलाते हैं। भाई मनोज ने बताया कि छोटा भाई नीरज पहले उनके साथ ट्रक पर ही काम करता था। बाद में उसने अपना ट्रैक्टर खरीद लिया। 2 साल पहले एक अधिकारी की गाड़ी चलाने लगा था। इस कारण ट्रैक्टर को बेच दिया। अधिकारी के साथ ही वह विभाग में नौकरी के लिए प्रयास में लगा था।

नीरज की भाभी सीमा ने बताया कि नीरज छुट्टी मिलने पर सप्ताह में एक बार ही घर आ पाता था। उसका कमरा अलग था। जिस पर वह नौकरी पर जाने से पहले ताला लगा देता था। सोमवार को वह कासगंज के सोरों से कांवड़ लेकर आया था। मंगलवार दोपहर तक वह घर में ही रहा।

इसके बाद उसे दोस्त अपनी बहन के घर ले जाने के लिए साथ ले गया। शाम को 5 बजे वह फिर लौटकर आया। फिर किसी काम से चला गया था। रात को 9 बजे घर आकर खाना खाया और अपने कमरे में जाकर सो गया। बुधवार को भी पूरे दिन घर में ही रहा।

यूपी पुलिस दूर संचार विभाग में 1,494 सहायक परिचालकों को नियुक्ति पत्र, सीएम बोले: युवाओं की ऊर्जा से सशक्त उत्तर प्रदेश और विकसित भारत का सपना होगा साकार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस दूर संचार विभाग के अंतर्गत नवचयनित 1,494 सहायक परिचालकों एवं कार्यशाला कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवा अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा शक्ति के दम पर ही हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन कोसाकार कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस बल की चयन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और भ्रष्टाचारमुक्त बनाया है, अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप भी पूरी ईमानदारी, निष्ठा औरसंवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2017 के बाद से पुलिस भर्ती बोर्ड को सशक्त किया, ताकि भर्ती में किसी प्रकार की गड़बड़ी या युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न हो सके। भर्ती प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता करने वालों को जवाबदेह बनाया गया और सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि योग्यता के आधार पर ही नियुक्तियां होंगी।उन्होंने बताया कि इसी पारदर्शिता का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल में अब तक 2 लाख 17 हजार 500 से अधिक कार्मिकों की निष्पक्ष भर्ती पूरी हो चुकी है। प्रदेश आज उन अग्रणी राज्यों में है, जहां सर्वाधिक पुलिस भर्तियां की गई हैं। विगत आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस में जितनी नियुक्तियां हुई हैं, उतनी कई राज्यों की पूरी पुलिस बल की संख्या भी नहीं है। वर्तमान में 30 हजार अतिरिक्त पुलिस बल की भर्ती प्रक्रिया जारी है। हाल ही में 60,244 आरक्षियों की भर्ती भी सम्पन्न कर उनकी प्रशिक्षण प्रक्रिया एक साथ शुरू की गई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस बल की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार ने नए प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की, अवस्थापना सुविधाओं को सुदृढ़ किया और पुलिस कर्मियों के लिए हाईराइज बैरकों का निर्माण कराया। 2017 से पूर्व प्रदेश के 10 जनपदों में पुलिस लाइन तक नहीं थी, लेकिन अब वहां भी पुलिस लाइनें संचालित हो रही हैं। पुलिस मुख्यालय की स्थापना से लेकर सात नए पुलिस कमिश्नरेट का गठन कर पुलिस को आधुनिक और प्रभावी बनाया गया है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस आज देश के सामने एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत हुई है। महाकुंभ-2025 जैसे भव्य आयोजन में उत्तर प्रदेश पुलिस की सजगता, सेवा भावना और संवेदनशीलता की पूरे देश में सराहना हुई है।सरकार की रोजगार नीति की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक प्रदेश में साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया से सरकारी नौकरियां दी गई हैं। बेहतर कानून-व्यवस्था के चलते प्रदेश में निवेश बढ़ा है और दो करोड़ युवाओं को उनके जिले में ही रोजगार के नए अवसर मिले हैं। आउटसोर्सिंग के माध्यम से भी युवाओं को व्यापक अवसर मिल रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है। यह उपलब्धि भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति, पारदर्शी शासन व्यवस्था और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण से ही संभव हो सकी है।महिलाओं की भागीदारी को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने तय किया है कि पुलिस बल में कम से कम 20 प्रतिशत महिला कार्मिक अनिवार्य रूप से नियुक्त हों। टेलीकॉम पुलिस में इस लक्ष्य को प्राप्त किया गया है और भविष्य में इसे और अधिक बढ़ाया जाएगा।सीमा सुरक्षा में लगे अग्निवीरों को राज्य पुलिस में शामिल करने की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था अग्निवीरों के लिए की जा रही है, जिससे हमें प्रशिक्षित जनशक्ति उपलब्ध होगी और सेवा भावना से ओतप्रोत बल तैयार होगा।कार्यक्रम में मिशन रोजगार पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री-सूचना संजय प्रसाद, डीजी पीएचक्यू आनन्द स्वरूप, डीजी दूर संचार आशुतोष पांडेय, डीजी भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड एस.बी. शिराडकर सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी और नवचयनित अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

तेज बारिश से लखनऊ में जलभराव और पेड़ गिरने की घटनाएं, नगर निगम की टीमें राहत कार्य में जुटीं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में शनिवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते शहर के कई हिस्सों में जलभराव, पेड़ गिरने और सीवर जाम की समस्याएं देखने को मिलीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने नगर निगम की सभी टीमों को तुरंत फील्ड में सक्रिय होने के निर्देश दिए।नगर आयुक्त के निर्देश पर रविवार को सभी अपर नगर आयुक्त, जोनल अधिकारी, सेनेटरी अधिकारी और संबंधित कर्मचारी फील्ड में जुटे रहे। शहर के आठों जोनों में पंपिंग सेट की मदद से जलनिकासी का कार्य किया गया। निचले इलाकों में विशेष रूप से निगरानी रखते हुए तत्काल प्रभाव से पानी हटाने की कार्रवाई की गई।बारिश के चलते कई स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं भी हुईं, जिन्हें नगर निगम के उद्यान विभाग की टीमों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर हटाया और मार्गों को साफ कराया, जिससे यातायात सुचारु बना रहे। अभियंत्रण विभाग ने नालों और सीवरों की सफाई का कार्य रविवार को भी युद्धस्तर पर जारी रखा। प्रमुख मार्गों और चौराहों पर टीमों ने नालियों की सफाई कर पानी की निकासी सुनिश्चित की।

सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस को बड़ी सफलता, दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। शनिवार को थाना पुलिस ने दो सक्रिय वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। दोनों अभियुक्त पेशेवर अपराधी हैं और उन पर पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में पहला अभिषेक सिंह उर्फ कल्लू है, जिसकी उम्र 23 वर्ष है और वह ग्राम हसनपुर खेवली, थाना सुशांत गोल्फ सिटी का रहने वाला है। दूसरा अभियुक्त प्रदुम पुत्र बृजलाल, उम्र 24 वर्ष, ग्राम अमेठियन का पुरवा, थाना नगराम का निवासी है। शनिवार को ये दोनों युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर मलाक अंडरपास की ओर से आ रहे थे। पुलिस टीम द्वारा की जा रही नियमित जांच के दौरान उन्हें रोकने की कोशिश की गई, लेकिन वे भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को मौके पर ही दबोच लिया।पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि जिस मोटरसाइकिल पर वे सवार थे, वह 26 जुलाई को जस्ट मदिरा के सामने से चोरी की गई थी। बाइक के कागज मांगने पर वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद उन्होंने एक और चोरी की बाइक के बारे में खुलासा किया, जिसे उन्होंने राघव भोग मिठाई स्टाल के पीछे से चुराया था। दूसरी बाइक को उन्होंने प्रदुम के गांव के पास एक कोठरी में छिपा कर रखा था। पुलिस टीम ने अभियुक्त को साथ लेकर मौके पर पहुंचकर वह बाइक भी बरामद कर ली।अभिषेक सिंह उर्फ कल्लू पर पहले से वाहन चोरी, दुर्घटना और गंभीर धाराओं में कुल तीन मुकदमे दर्ज हैं, वहीं प्रदुम एक दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मामलों में नामजद है। इनमें मारपीट, बलवा, हत्या का प्रयास, धमकी जैसे अपराध शामिल हैं। पुलिस पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे चोरी की बाइकों को बेचकर अपनी जरूरतें और शौक पूरा करते थे।पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से बरामद दो मोटरसाइकिलों के इंजन और चेसिस नंबर का सत्यापन भी कर लिया है। पहली बाइक हीरो स्प्लेंडर (UP33N 2427) और दूसरी TVS अपाचे (UP32 GD 8726) है। दोनों गाड़ियाँ पहले से चोरी की सूचना के तहत संबंधित थानों में दर्ज थीं।थाना सुशांत गोल्फ सिटी की पुलिस टीम ने तत्परता और कुशलता से कार्रवाई करते हुए इन दोनों चोरों को गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही पूरी कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।<

फेसबुक पर फर्जी फर्म बनाकर करते थे लाखों की ठगी, लखनऊ पुलिस ने महाराष्ट्र–कर्नाटक से चार अन्तर्राज्यीय साइबर अपराधी दबोचे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। साइबर अपराध पर नकेल कसते हुए लखनऊ पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। गोसाईगंज थाना और साइबर क्राइम सेल की संयुक्त टीम ने केले के उन्नत किस्म के पौधे सस्ते दामों में बेचने के नाम पर सोशल मीडिया के जरिए लाखों रुपये की ठगी करने वाले अन्तर्राज्यीय साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। टीम ने गिरोह के चार शातिर सदस्यों को महाराष्ट्र और कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से छह मोबाइल फोन और दो एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं, जबकि उनके बैंक खातों से चार लाख रुपये फ्रीज कर दिए गए हैं।यह कार्रवाई एक किसान की शिकायत पर की गई, जिसने फेसबुक पर बने एक फर्जी पेज के जरिए ठगी का शिकार होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ग्राम कासिमपुर बिरूहा, गोसाईगंज निवासी अवधेश कुमार ने पुलिस को बताया कि वह केले के पौधों की खरीद-फरोख्त का कार्य करते हैं। 22 जून को फेसबुक पर 'Fac Bioplants' नामक एक प्रोफाइल से उनसे संपर्क कर फर्जी सर्टिफिकेट भेजा गया और उन्नत किस्म के पौधे सस्ते दामों में देने का झांसा देकर 29 लाख 25 हजार 500 रुपये की ठगी कर ली गई।शिकायत के बाद थाना गोसाईगंज में मुकदमा दर्ज कर साइबर क्राइम सेल के सहयोग से जांच शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महाराष्ट्र के सांगली जिले के मिरज ग्रामीण और कर्नाटक के विजयपुरा (बीजापुर) से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाबूराव संभाजी माली, कल्लाप्पा पट्टादमथ, मो. रफीक गनीसाब तम्बोली और बलप्पा भीमप्पा बांदीवादर के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी 'Fac Bioplants', 'Shiv Shivbioplants', 'Anand Shivkumar' और 'Sai Nursery' जैसे फर्जी फेसबुक पेज बनाकर देशभर के किसानों से संपर्क करते थे। फर्जी दस्तावेजों और आकर्षक ऑफरों के जरिए उन्हें ठगते और रुपये अलग-अलग फर्जी खातों में ट्रांसफर करवा लेते थे।पुलिस को अभियुक्तों के मोबाइल नंबर और फेसबुक प्रोफाइल से देश के अन्य हिस्सों में भी साइबर ठगी की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।इस महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम देने वाली संयुक्त पुलिस टीम में गोसाईगंज थाना पुलिस और साइबर क्राइम सेल, लखनऊ के अधिकारी शामिल रहे। लखनऊ कमिश्नरेट की इस सफलता से साइबर अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं और आम जनता में विश्वास मजबूत हुआ है।

पीजीआई पुलिस की बड़ी कार्रवाई : असलहों के साथ दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के अंतर्गत पीजीआई थाना क्षेत्र में अपराध पर शिकंजा कसते हुए थाना पुलिस ने दो शातिर अपराधियों को अवैध असलहों के साथ गिरफ्तार किया है। ये दोनों अभियुक्त रात के अंधेरे में सुनसान सड़कों पर राहगीरों को हथियार दिखाकर डरा-धमकाकर उनसे पैसे और सामान छीनने का काम करते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से एक पिस्टल, एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।

शनिवार को देर रात करीब 12:20 बजे थाना पीजीआई पुलिस टीम को सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक वृंदावन गेट से कालिंदी चौराहे की ओर जाने वाली नहर के किनारे पेड़ के नीचे बैठे हैं और उनके पास अवैध हथियार हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान एक अभियुक्त के पास से 32 बोर की एक अवैध पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और एक खाली खोखा कारतूस बरामद हुआ, जबकि दूसरे के पास से 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा और एक खाली खोखा कारतूस बरामद किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शनि यादव पुत्र गुड्डू यादव निवासी शेखनापुर, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, जनपद लखनऊ (उम्र 19 वर्ष) और नितेश यादव उर्फ शाका पुत्र ब्रजराज यादव निवासी ग्राम भटानी का पुरवा, थाना गोसाईगंज, जनपद लखनऊ (उम्र 23 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों ने पूछताछ में कबूल किया कि वे रात के अंधेरे का फायदा उठाकर सुनसान रास्तों पर घूमते थे और राहगीरों को असलहा दिखाकर लूटपाट करते थे।

केजीएमयू में राष्ट्रीय एलर्जी अपडेट का हुआ कार्यक्रम

"बच्चों में हो रहा है एलर्जी मार्च : डॉ. सूर्यकान्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग द्वारा एक राष्ट्रीय एलर्जी अपडेट का आयोजन कलाम सेंटर में संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय एलर्जी अपडेट के अयोजन में देश के ख्याति प्राप्त एलर्जी विशेषज्ञों द्वार एलर्जी के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ. सूर्यकान्त जो कि रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष हैं, ने बताया कि बढ़ते हुए वायु प्रदूषण, मोबाइल और कंप्यूटर का स्क्रीन टाइम एवं फास्ट फूड के कारण बच्चों में एक नहीं कई प्रकार की एलर्जी पैदा हो रही हैं। बदलती जीवन शैली भी बच्चों में एलर्जी को बढ़ा रही है। बच्चा जब जन्म लेता है तो सबसे पहले वह डायपर पहनता है और कुछ बच्चों को डायपर से एलर्जी हो जाती है यह एक प्रकार की त्वचा एलर्जी है। जब बच्चा और बड़ा होता है तो जब वह भोजन ग्रहण करता है तो उसको ग्लूटेन एलर्जी हो जाती है इसे हम फूड एलर्जी भी कहते हैं। इसके बाद तीसरा एलर्जी मार्च होता है जब एलर्जी के प्रति संवेदनाशील बच्चा नाक की एलर्जी से ग्रसित हो जाता है जिसमें नाक से पानी, नाक में खुजली नाक बंद होना जैसे लक्षण होना शामिल हैं। हर तीसरे नाक की एलर्जी वाले बच्चे में एक उम्र के बाद अस्थमा हो जाता है, जिसमें बच्चे की सांस फूलने लगती है सीने में जकडन होती है और चलने में या व्यायाम करने में सांस का दौरा पड़ जाता है। इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी अस्थमा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे डॉक्टर सूर्यकान्त ने बताया कि जब एक बच्चे में आगे चल कर कई एलर्जी की समस्याएं होती हैं इसको एलर्जी मार्च कहते हैं। इस नेशनल एलर्जी अपडेट के अयोजक डॉक्टर सूर्यकान्त ने बताया कि ऐसे बच्चे जिनमें किसी भी एलर्जी के लक्षण देखें तो एलर्जी रोग विशेष को दिखाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में इंडियन जर्नल ऑफ एलर्जी अस्थमा एंड इम्यूनोलॉजी का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। देश की मानी जानी इस जर्नल के प्रधान संपादक डॉक्टर सूर्यकान्त हैं।

उत्तर प्रदेश में एलर्जी के जनक माने जाने वाले डॉक्टर मधुसूदन अग्निहोत्री तथा अन्य एलर्जी विशेषज्ञ डाक्टर जफर जमील की स्मृति में ऑरेशन अवॉर्ड भी प्रदान किए गए।डॉक्टर सूर्यकान्त ने बताया कि इन दिनों चिकित्सकों की स्मृति में देश के ख्याति प्राप्त एलर्जी विशेषज्ञों को अग्निहोत्री जमील ऑरेशन अवार्ड प्रदान किया जाता है नेशनल एलर्जी अपडेट में इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी एवं अस्थमा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सुरेश कूलवाल तथा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ वी के जैन को यह ऑरेशन अवार्ड प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में पटना से आएं डॉक्टर गौतम मोदी ने एलर्जी क्लिनिक कैसे स्थापित करें विषय पर एक विशेष व्याख्यान भी दिया। नोएडा से आई डॉक्टर शालिनी त्यागी ने भी एलर्जी के निदान पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। डॉक्टर अजय कुमार वर्मा ने अस्थमा में फंगल एलर्जी तथा डॉक्टर ज्योति बाजपेई ने गम्भीर अस्थमा पर व्याख्यान दिए।

जयपुर से आए डॉक्टर कूलवाल एवं डॉक्टर जैन ने एलर्जी टेस्ट की कार्यशाला भी संपन्न कराई जिसमें 100 से भी अधिक चिकित्सक तथा चिकित्सा छात्रों को एलर्जी टेस्ट का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर सूर्यकान्त, सचिव डॉ अजय कुमार वर्मा सहसचिव डॉक्टर ज्योति बाजपेई, डॉक्टर के बी गुप्ता, डॉक्टर दर्शन बजाज, डॉक्टर आनंद श्रीवास्तव, डॉक्टर वेद प्रकाश, डॉक्टर ए के सिंह, डॉक्टर रचित शर्मा, डॉक्टर हेमंत कुमार, डॉक्टर राहुल श्रीवास्तव, डॉक्टर आमिर, डॉक्टर डी के वर्मा, डॉक्टर रोहित पाठक समेत शहर के अन्य चिकित्सक व जूनियर डॉक्टर्स भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

संक्षेप

गोरखपुर में वरिष्ठ प्रयोगशाला प्रविधिज्ञ ए.के. मौर्या व गिरीश चंद्र श्रीवास्तव के सेवा निवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित

लखनऊ। लखनऊवरिष्ठ प्रयोगशाला प्रविधिज्ञ ए.के. मौर्या और गिरीश चंद्र श्रीवास्तव के सेवानिवृत्त होने के उपरांत शनिवार को एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन एल.टी. संघ द्वारा गोरखपुर मंडल के अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यालय के मीटिंग हॉल में किया गया।इस अवसर पर संयुक्त निदेशक डॉ. वी.एम. राव, श्री ए.के. गर्ग, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण चौधरी सहित जनपद के सभी एल.टी. संवर्ग के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। मंच का संचालन जनपद अध्यक्ष नवीन श्रीवास्तव ने किया।समारोह में प्रांतीय स्तर से पधारे संघ के प्रांतीय अध्यक्ष एस.के. रावत, महामंत्री कमल श्रीवास्तव, सुनील यादव, रमेश यादव, नरेश पटेल तथा सचिव अमित शुक्ला की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।सभी वक्ताओं ने ए.के. मौर्या और गिरीश चंद्र श्रीवास्तव के दीर्घकालीन सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उनके अनुशासन, दक्षता और समर्पण की प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि दोनों सेवानिवृत्त अधिकारी स्वास्थ्य विभाग के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं।कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों और साथियों ने सेवानिवृत्त होने वाले दोनों वरिष्ठों के उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना के साथ उन्हें भावभीनी विदाई दी।

लखनऊ खण्ड स्नातक प्रत्याशी प्रो. सुनील श्रीवास्तव के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन, कायस्थ समाज ने मतदाता जागरूकता अभियान को दी गति

लखनऊ। लखनऊ खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी प्रोफेसर (आर्किटेक्ट) सुनील कुमार श्रीवास्तव के चुनाव कार्यालय का भव्य उद्घाटन सहारा शॉपिंग सेंटर, लेखराज मेट्रो के निकट किया गया। उद्घाटन महर्षि विद्या मंदिर के प्रबंधक अनूप श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर अनूप श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव और डॉ. इन्द्रसेन श्रीवास्तव को पटका और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत आयोजित संगोष्ठी में कायस्थ समाज उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शेखर कुमार ने प्रो. सुनील श्रीवास्तव के व्यक्तित्व, कृतित्व और समाजसेवा के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से अपील की कि मतदाता बनने की प्रक्रिया को और तीव्र करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदाता सूची में शामिल कराने हेतु जागरूक करें। संगोष्ठी में सभी प्रतिभागियों ने एकमत से मतदाता निर्माण अभियान को और तेजी देने का संकल्प लिया।संगोष्ठी में शेखर कुमार ने दिव्यांश श्रीवास्तव को प्रदेश युवा अध्यक्ष घोषित किया और महिला प्रदेश अध्यक्ष व सभासद प्रत्याशी सुनीता श्रीवास्तव को विगत तीन महीनों के उत्कृष्ट कार्यों के लिए पगड़ी, पटका व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।समारोह में यह भी संकल्प लिया गया कि लखनऊ नगर निगम के बीस वार्डों में कायस्थ समाज अपने प्रत्याशी उतारेगा और पूरे समाज को संगठित कर चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करेगा।इस मौके पर विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों और कायस्थ समाज के गणमान्य जनों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इनमें अम्रिता खरे, मुनेन्द्र, आलोक भटनागर, राकेश रंजन, प्रकाश, सर्वेश, संजय, दिव्यांश, शरद, दिनेश खरे, वीरेंद्र निगम, आनंद प्रकाश, पंकज, एडवोकेट अज्जू श्रीवास्तव, सचिनराज कुमार, कमल कुमार, संजीव सक्सेना, मोहित, रामजी, आमोद और संजय श्रीवास्तव सहित अनेक लोग सम्मिलित हुए।कार्यक्रम सफल आयोजन और समाजिक एकता के संदेश के साथ सम्पन्न हुआ।

पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास की 40वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, परिजनों और समर्थकों ने किया नमन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू बनारसी दास गुप्ता की 40वीं पुण्यतिथि पर रविवार को डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन के तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम 55, पुराना किला स्थित कोठी पर संपन्न हुआ, जहां उनके परिजनों, समर्थकों और अनुयायियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर बीबीडी परिवार के सदस्यों ने बाबू जी के व्यक्तित्व और कार्यों को याद करते हुए उनके दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प दोहराया। शिक्षा और खेल जगत से जुड़ी प्रमुख हस्तियों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन अलका दास और अधिशासी निदेशक आर.के. अग्रवाल ने बाबू बनारसी दास को नमन करते हुए उन्हें युगद्रष्टा बताया। बाबू जी के सुपौत्र और डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन के अध्यक्ष विराज सागर दास ने कहा कि 28 फरवरी 1979 से 18 फरवरी 1980 तक मुख्यमंत्री रहते हुए बाबू जी ने शिक्षा, कर्मचारी कल्याण, कानून व्यवस्था, सहकारिता और कौमी एकता के क्षेत्र में जो आदर्श प्रस्तुत किया, वह आज भी प्रासंगिक है।

लखनऊ खण्ड स्नातक प्रत्याशी प्रोफेसर सुनील श्रीवास्तव के कार्यालय का उद्घाटन, संगोष्ठी में मतदाता जागरूकता का संकल्प

लखनऊ। लखनऊ खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी प्रोफेसर (आर्किटेक्ट) सुनील कुमार श्रीवास्तव के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन सहारा शॉपिंग सेंटर, लेखराज मेट्रो के पास, महर्षि विद्या मंदिर के प्रबंधक अनूप श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर अनूप श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव और डॉ. इन्द्रसेन श्रीवास्तव को पटका व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।कार्यालय उद्घाटन के पश्चात एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें कायस्थ समाज उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शेखर कुमार ने प्रत्याशी प्रो. सुनील श्रीवास्तव की योग्यता और सामाजिक सरोकारों पर प्रकाश डालते हुए सभी से मतदाता सूची में अधिकाधिक नाम जुड़वाने और समाज को जागरूक करने का आह्वान किया। संगोष्ठी में उपस्थित सभी लोगों ने मतदाता जागरूकता की प्रक्रिया को तीव्र गति देने का संकल्प लिया।इस अवसर पर दिव्यांश श्रीवास्तव को प्रदेश युवा अध्यक्ष घोषित किया गया, वहीं सभासद प्रत्याशी एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष सुनीता श्रीवास्तव को बीते तीन महीनों में किए गए कार्यों के लिए पगड़ी, पटका व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।सभा में उत्साह के साथ लखनऊ नगर निगम के 20 वार्डों में कायस्थ समाज के प्रत्याशियों को उतारने का संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्यजन एवं समितियों के पदाधिकारियों ने भाग लिया जिनमें प्रमुख रूप से अमृता खरे, मुनेन्द्र, आमोद आदि उपस्थित रहे।

राजनीति में भद्रता की मिसाल थे अरुण जेटली, उन पर धमकाने का आरोप लगाना घटिया राजनीति है

खुद कई मामलों में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी की सारी राजनीति आरोप लगाते रहने पर ही टिकी हुई है। वह भारत में बोलें या विदेशी धरती पर, उनके संबोधनों में सिर्फ भारत की सरकार और भारत के संवैधानिक संस्थान ही निशाने पर होते हैं। राहुल गांधी पहले प्रधानमंत्री के लिए 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी का उपयोग करते थे, मगर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई तो वह संवैधानिक संस्थानों को चोर बताने लग गये हैं। एक दिन पहले राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकाते हुए कहा था कि रिटायर हो जाओगे तब भी तुम्हें ढूँढ़ निकालेंगे और आज उन्होंने उन लोगों पर हमले शुरू कर दिये जोकि इस धरा पर अपना पक्ष रखने के लिए नहीं हैं। राहुल गांधी ने स्वर्गीय पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली पर जो आरोप लगाये हैं वह बेहद निचले स्तर की राजनीति है। राहुल गांधी अमीर घराने से जरूर हैं लेकिन सभ्यता के मामले में बेहद गरीब हैं क्योंकि वह यह सामान्य-सी बात भी नहीं जानते कि हमारे धर्म और संस्कृति में यही सिखाया जाता है कि स्वर्गीय व्यक्ति के प्रति कभी भी अनादर नहीं प्रकट करना चाहिए। राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि अरुण जेटली ने उन्हें धमकाया जबकि असलियत यह है कि स्वर्गीय अरुण जेटली जनवरी 2019 से ही एक तरह से बिस्तर पर थे। हम आपको याद दिला दें कि फरवरी 2019 में जब जेटली को बतौर वित्त मंत्री लोकसभा चुनावों से पहले संसद में अंतरिम बजट पेश करना था तब उनकी अमेरिका में सर्जरी होने की वजह से उनकी जगह वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था। उसके बाद जेटली की जगह पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था। हम आपको यह भी बता दें कि अरुण जेटली की 14 मई 2018 को किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी हुई थी और उसके बाद से वह घर से ही काम कर रहे थे। वह अपने मंत्रालय की बैठकों में भी ऑनलाइन शामिल होते थे और अत्यंत आवश्यक होने पर ही लोगों से मुलाकात करते थे क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें किसी से मिलने से मना किया हुआ था। ऐसे में राहुल गांधी का यह दावा कि अरुण जेटली उन्हें धमकाने गये थे ना सिर्फ सफेद झूठ है बल्कि देश के ईमानदार नेताओं में शुमार रहे व्यक्ति की छवि पर प्रहार भी है। देखा जाये तो राहुल गांधी कहने को तो कांग्रेस के लीगल कॉन्कलेव में बोल रहे थे लेकिन यहां बातें उन्होंने इल-लीगल कह दीं।

दूसरी ओर, राहुल के बयान पर भाजपा नेता तो पलटवार कर ही रहे हैं साथ ही स्वर्गीय अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने भी राहुल गांधी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और दिवंगत नेता की स्मृति के प्रति अनादरपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, "मेरे पिता का 2019 में निधन हो गया था, जबकि कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे। राहुल गांधी का यह दावा समय-सीमा के हिसाब से असंभव है।" रोहन ने यह भी कहा कि अरुण जेटली लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखते थे और कभी भी दबाव की राजनीति नहीं करते थे। रोहन ने कहा कि वह संवाद और सहमति निर्माण में विश्वास रखते थे। यदि कोई राजनीतिक मतभेद होता भी, तो वे खुली और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करते थे। उन्होंने राहुल गांधी को चेतावनी दी कि दिवंगत नेताओं को राजनीतिक विवादों में न घसीटें। रोहन जेटली ने कहा कि राहुल गांधी ने मनोहर पर्रिकर जी के मामले में भी कुछ ऐसा ही किया था। कृपया departed leaders को शांति से रहने दें। इस बीच, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने X पर लिखा, "राहुल गांधी के झूठ अब बर्दाश्त से बाहर हैं। वह बार-बार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का नाम अपनी कल्पनाओं से भरे बयानों में घसीटते हैं। यह दावा कि अरुण जेटली जी ने उन्हें कृषि कानूनों पर धमकाया, न सिर्फ हास्यास्पद है बल्कि पूरी तरह से शर्मनाक और घृणित है।" प्रमोद सावंत ने यह भी याद दिलाया कि राहुल गांधी ने स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर के मामले में भी गलत बयान दिए थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने राफेल सौदे पर झूठा आरोप लगाने के लिए पर्रिकर जी से मुलाकात का गलत अर्थ प्रस्तुत किया था। ऐसे बयान न केवल तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं, बल्कि उन नेताओं की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया। बहरहाल, देखा जाये तो राहुल गांधी की यह आदत बन गयी है कि वह राजनीतिक लाभ के लिए दिवंगत नेताओं के नाम और छवि का इस्तेमाल करते हैं। यह न केवल राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ है बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अनुचित है। साथ ही ऐसे बयानों से न केवल राजनीतिक विमर्श का स्तर गिरता है, बल्कि दिवंगत नेताओं की छवि भी अनावश्यक रूप से विवादों में घसीटी जाती है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे तथ्यों के साथ अपनी दलीलें रखें और व्यक्तिगत या मृत नेताओं पर हमले करने से बचें।

बहुभाषी, समावेशी शिक्षा अब व्यापक स्तर पर साकार

धर्मेन्द्र प्रधान

पाँच वर्षों में एनईपी का असर केवल नीतियों तक नहीं, बल्कि कक्षाओं तक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अब प्राथमिक कक्षाओं में खेल आधारित शिक्षण, रटने की पद्धति की जगह ले चुका है

एनईपी के पाँच वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि भाषा के चयन से लेकर कौशल पर बल तक, इसकी अवधारणाओं ने कक्षा के अनुभव को मूल रूप से बदलदिया है

2020 में भारत ने केवल एक नई नीति नहीं अपनाई, बल्कि एक प्राचीन आदर्श को फिर से जीवंत किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने सीखने को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया और इसे हमारी सभ्यतागत परंपराओं से जोड़ा। स्वर्गीय डॉ. के. कस्तूरीरंगन जी के नेतृत्व में तैयार की गई यह नीति इतिहास की सबसे व्यापक जन-सहभागिता वाली नीति-निर्माण प्रक्रिया में से एक थी। यह एक ऐसा दूरदर्शी रूपरेखा थी जो सांस्कृतिक मूल्यों में निहित था। यह एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना थी जो रटने की प्रवृत्ति, कठोर ढाँचों और भाषाई ऊँच-नीच से परे हो—समावेशी, सर्वांगीण और भविष्य के लिए तैयार।

पाँच वर्षों में एनईपी का असर केवल नीतियों तक नहीं, बल्कि कक्षाओं तक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अब प्राथमिक कक्षाओं में खेल आधारित शिक्षण, रटने की पद्धति की जगह ले चुका है; बच्चे अपनी मातृभाषा में सहजता से पढ़ रहे हैं; छठी कक्षा के विद्यार्थी व्यावसायिक प्रयोगशालाओं में हाथों-हाथ कौशल सीख रहे हैं। अनुसंधान संस्थानों में भारत का पारंपरिक ज्ञान आधुनिक विज्ञान के साथ संवाद कर रहा है। एनईपी की सोच एसटीईएम क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और वैश्विक मंचों पर भारतीय संस्थानों की उपस्थिति में भी झलकती है। निपुण भारत मिशन ने बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान को कक्षा 2 तक सुनिश्चित किया है। एएसईआर 2024 और परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 जैसी रिपोर्टों में यह प्रगति परिलक्षित होती है—आज की कक्षाएं जिज्ञासा और समझ का केंद्र बन चुकी हैं। विद्या प्रवेश और बालवाटिका जैसी पहलें अब प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा को व्यवस्थित रूप से एकीकृत कर रही हैं। 22 भारतीय भाषाओं में जादुई पिटारा और ई-जादुई पिटारा, नई पीढ़ी की पाठ्यपुस्तकों के साथ, शिक्षा को रुचिकर बना रहे हैं। निष्ठा प्रशिक्षण के माध्यम से 14 लाख से अधिक शिक्षक प्रशिक्षित हो चुके हैं और दीक्षा जैसे प्लेटफॉर्म शिक्षण सामग्री को देशभर में सुलभ बना रहे हैं।

एनईपी ने यह स्पष्ट किया कि भाषा कोई बाधा नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है। 117 भाषाओं में प्राइमर विकसित किए गए हैं और

भारतीय सांकेतिक भाषा को एक विषय के रूप में शामिल किया गया है। भारतीय भाषा पुस्तक योजना और राष्ट्रीय डिजिटल भंडार (राष्ट्रीय डिजिटल डिपॉजिटरी) भारतीय ज्ञान प्रणालियों के लिए जैसी योजनाएं भाषाई और सांस्कृतिक ज्ञान को लोकतांत्रिक बना रही हैं।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) और कक्षा 1 से 8 की नई किताबें अब जारी हो चुकी हैं। प्रेरणा एक सेतु कार्यक्रम है जो छात्रों को नई पाठ्यचर्या में सहजता से ढालने के लिए मार्गदर्शन करता है, ताकि वे अभिभूत न हों, बल्कि हर चरण में सहयोग प्राप्त करें।

समग्र शिक्षा और पीएम पोषण जैसी योजनाओं ने लगभग सार्वभौमिक नामांकन को संभव बनाया है। एनईपी का प्रभाव वंचित समूहों तक भी पहुँचा है। 5,138 से अधिक कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में 7.12 लाख से अधिक वंचित समुदायों की बालिकाएं नामांकित हैं। धर्ती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 692 और पीवीटीजी छात्रों के लिए 490 से अधिक छात्रावास स्वीकृत किए गए हैं। प्रशस्त कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांगता की पहचान कर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक समावेशी व सशक्त बनाया गया है।

एनईपी 2020 के परिवर्तन का एक प्रमुख स्तंभ हैं 14,500 पीएम-स्कूल, जो आधुनिक, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल हैं। ये विद्यालय एनईपी के विजन के अनुरूप आदर्श मॉडल स्कूल बन रहे हैं, जो बुनियादी ढाँचे और शिक्षण पद्धति दोनों को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। विद्यांजलि प्लेटफॉर्म ने 8.2 लाख स्कूलों को 5.3 लाख से अधिक स्वयंसेवकों और 2,000 सीएसआर पार्टनर्स से जोड़ा है, जिससे 1.7 करोड़ छात्रों को सीधा लाभ मिला है।

उच्च शिक्षा में कुल नामांकन 3.42 करोड़ से बढ़कर 4.46 करोड़ हो गया है—30.5त्न की बढ़ोत्तरी। इनमें लगभग 48त्न छात्राएं हैं। महिला पीएचडी नामांकन 0.48 लाख से बढ़कर 1.12 लाख हो गया है। एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक छात्रों का बढ़ता नामांकन उच्च शिक्षा में समावेशिता का ऐतिहासिक संकेत है। महिला जीईआर लगातार छह वर्षों से पुरुषों से अधिक रहा है।

मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, अकादमिक क्रेडिट बैंक, और राष्ट्रीय ऋण ढांचा जैसे नवाचारों ने शिक्षा को विकल्पों से भरपूर और छात्र-केंद्रित बनाया है। 21.12 करोड़ अपार आईडी उपलब्ध कराई गईहैं। 153 विश्वविद्यालयों में मल्टीपल एंट्री और 74 में एग्जिट विकल्प उपलब्ध हैं—अब सीखना क्रमबद्ध नहीं, बल्कि मॉड्यूलर है।

एनईपी के अनुसंधान और नवाचार पर ज़ोर ने भारत के वैश्विक नवाचार सूचकांक को 81वें स्थान से 39वें तक पहुंचाया है। 400 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों में 18,000 से अधिक स्टार्टअप इनक्यूबेट किए गए हैं। अनुसंधान एनआरएफ, पीएमआरएफ 2.0, और ?6,000 करोड़ की वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन योजना शोध को विकेंद्रीकृत और सुलभ बना रही हैं।

स्वयं और स्वयं प्लस जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर 5.3 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं। दीक्षा और पीएम ई-विद्या के 200+ डीटीएच चैनलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण सामग्री देश के हर कोने में उपलब्ध हो रही है। द्विवार्षिक प्रवेश, डुअल डिग्री जैसी व्यवस्थाएं उच्च शिक्षा को और अधिक समावेशी, बहुविषयक और उद्योगोन्मुखी बना रही हैं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारत के 54 संस्थान शामिल हुए हैं, जबकि 2014 में केवल 11 थे। डीकिन, वोलोंगोंग, और साउथेम्प्टन जैसे वैश्विक विश्वविद्यालय भारत में कैंपस स्थापित कर रहे हैं।

परिवर्तन की इस यात्रा का उत्सव अखिल भारतीय शिक्षा समागम के माध्यम से मनाया जा रहा है, लेकिन इसका मूल्यांकन शिक्षार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के शांत आत्मविश्वास में हो रहा है। हमें अपने परिसरों को हराभरा बनाना, महत्वपूर्ण अनुसंधान अवसंरचना का विस्तार करना और सीखने के परिणामों को और अधिक गहरा करना जारी रखना होगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा केवल एक नीति नहीं, बल्कि सबसे बड़ा राष्ट्रीय निवेश बन चुकी है। जहाँ शिक्षा है, वहीं प्रगति है। एक अरब जागरूक और सशक्त नागरिक केवल जनसांख्यिकीय लाभांश नहीं हैं, बल्कि नए भारत का सुपरनोवा हैं।

अजब-गजब

पति-पत्नी ने दिया तलाक, फिर एक ही लड़की से कर बैठे प्यार, तीनों में है रोमांटिक रिलेशन

प्यार अंधा होता हैये तो सुना था, पर इतना 'मॉडर्न' भी हो सकता है इसके बारे में शायद ही किसी ने सोचा होगा। अमेरिका से एक ऐसी अजब-गजब लव स्टोरी सामने आई है, जिसने इंटरनेट की 'दुनिया' में खलबली मचा दी है। यहां एक तलाकशुदा पति-पत्नी न सिर्फ एक ही लड़की से इश्क कर बैठे, बल्कि अब तीनों थ्रपल रिलेशनशिप में हैं, और एक ही छत के नीचे साथ रह रहे हैं। अमेरिका के रहने वाले जोशुआ एल्कॉन और उनकी एक्स वाइफ जेसिका ने कुछ समय पहले ही तलाक लिया था। उनके चार बच्चे भी हैं। लेकिन तकदीर का खेल देखिए, अलग होने के बाद एक डेटिंग ऐप पर दोनों की मुलाकात एबी नाम की एक खूबसूरत लड़की से हुई। जोशुआ को एबी से प्यार हो गया, और एबी भी उन्हें पसंद करने लगी। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आया, जब जेसिका भी एबी को अपना दिल दे बैठीं। और तो और एबी को भी जेसिका के साथ रहने में कोई ऐतराज नहीं था।

mirror lco luk के अनुसार, अब पूर्व पति-पूर्व पत्नी और उनकी 'कॉमन गर्लफ्रेंड' एबी तीनों ना सिर्फ रोमांटिक रिलेशनशिप में हैं, बल्कि एक ही छत के नीचे रह भी रहे हैं। जेसिका फिर से प्रेग्नेंट हैं, और पांचवें बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। उन्होंने कहा, आने वाले बच्चे को एबी का मिडल नेम दिया जाएगा।

जेसिका ने यूट्यूब चैनल 'My Extraordinary Life Truly' पर अपने थ्रपल रिलेशनशिप का खुलासा करते हुए कहा, मॉम और डैड की एक गर्लफ्रेंड। हालांकि, इस थ्रपल रिलेशनशिप को लेकर इंटरनेट पर बहस छिड़ गई है। लोग इसे अजीब, अनैतिक और बच्चों के लिए भ्रामक बता रहे हैं। लेकिन जोशुआ, जेसिका और एबी का कहना है कि जितनी मुंह उतनी बातें। इसलिए वे बेफिक्र होकर अपनी जिंदगी जी रहे हैं।

बता दें कि ओपन रिलेशनशिप का आइडिया जेसिका का ही था, और वह खुद को थ्रपल की लीडर बताती हैं। वहीं, जोशुआ का कहना है कि जब जेसिका ने उनके सामने यह प्रपोजल रखा, तो उन्हें लगा कि यह तो हर मर्द का सपना होता है। टिंडर पर एबी को देखते ही जोशुआ उन्हें दिल दे बैठे थे। इंटरनेट यूजर्स भले ही इस रिश्ते को बच्चों के लिए भ्रामक करार दे रहे हैं, लेकिन जोशुआ का कहन है कि अभी तक ऐसी कोई परेशानी नहीं आई है। बल्कि बच्चे एबी को सौतेली मां की तरह नहीं, बल्कि उन्हें एक अच्छा दोस्त मानते हैं। यही नहीं, एबी भी उन्हें खूब प्यार करती हैं।

ब्लॉग

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश?

डॉ. रमेश ठाकुर

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं?

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें 'स्पेस स्टेशनों' से योजना बना रहे हैं। सुखद ख़बर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की 'मिसाइल अटैक' वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित 'अतंराष्टीय स्पेस सेंटर' में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का 'इंटरनेशनल स्पेस सेंटर' बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी।।

पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाइयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है?

अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाइयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वर्निमित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा। उनके पहुंचने का माध्यम इस बार भले ही 'एक्सिओम मिशन-4' क्यों न रहा हो? लेकिन भविष्य में ये निर्भरता खत्म होने को है।

अंतरिक्ष में निजी स्पेस स्टेशन सिर्फ चीन का है, लेकिन उस दिशा में भारत भी करीब पहुंच चुका है। वर्ष 2009 में अमेरिका ने रूस के साथ एक करार किया था, जिसमें उन्होंने अपना अलग स्पेस स्टेशन बनाने का प्रस्ताव रखा था। उस प्रस्ताव की प्रासंगिकता अब समझ में आती है। अपने निजी स्पेस स्टेशन के जरिए अमेरिका अंतरिक्ष से मिसाइल से लड़ने की योजना बना रहा है। अंतरिक्ष में भी अपना एकछत्र राज करना चाहता है। धरती से अंतरिक्ष की दूरी करीब 62 मील है, जिसे पूरा करने में 28 घंटे लगते हैं। इतनी दूरी वाली मारक क्षमता वाली मिसाइल अमेरिका तैयार कर रहा है। अंतरिक्ष में 24 घंटे में 16 दफे सूर्योदय और 16 बार सूर्यास्त होता है। 90-90 मिनट की दिन और रातें होती है। अंतरिक्ष स्टेशन 24 घंटे में पृथ्वी के चारों ओर लगभग 16 बार चक्कर लगाते हैं। इन सभी की पड़ताल अमेरिका कर चुका है। सैटेलाइट मिसाइलों का प्रयोग अतंरिक्षत से कैसे हो, इसके लिए नासा की रिसर्च बहुत पहले से जारी है।

इसरो और नासा अंतरिक्ष में मानव जीवन, सांस, पानी होने की पड़तालों में भी जुटे हैं। पर, इसरो का अगला कदम सन-2035 में अंतरिक्ष में खुद का 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन' स्थापित करने के अलावा वर्ष-2040 तक चंद्रमा पर मनुष्य को उतारना है। इसके लिए वह 'मिशन गगनयान' को लांच करने की घोषणा पहले ही कर चुका है। इस मिशन में लगे वैज्ञानिकों को विशेष स्पेस ट्रेनिंग दी जा रही है। मौजूदा अंतरिक्ष में शुभांशु की उड़ान न सिर्फ एक मिशन है बल्कि भारतीय अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नए युग में साहसपूर्वक कदम रखने का संकेत भी है। इसरो अपने आगामी 'गगनयान मिशन' को अब तक के सबसे बड़े मिशन में गिन रहा है जिसकी तैयारियां में बीते कई वर्षों से देश के टॉप 400 अतंरिक्ष वैज्ञानिक लगे हैं।

अयोध्या से लेकर औरैया तक, यूपी में बारिश से नदियां उफनाईं, 10 जिलों में बाढ़ का अलर्ट, कौशांबी में दो की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लगातार भारी बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी की वजह से नदियां उफान पर हैं। ऐसे में निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सरयू, केन, यमुना और चंबल जैसी नदियां खतरे के निशान या उससे ऊपर बह रही हैं। अयोध्या, बांदा और इटावा में अधिकारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है और निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

केंद्रीय जल आयोग के जूनियर इंजीनियर आकाश प्रताप सिंह ने बताया कि अयोध्या में सरयू नदी वर्तमान में अलर्ट लेवल से 56 सेंटीमीटर (सेमी) ऊपर बह रही है और हर तीन घंटे में जलस्तर दो सेमी बढ़ रहा है। जिला प्रशासन ने कई इलाकों में अलर्ट जारी किया और श्रद्धालुओं से स्नान घाट पर गहरे पानी में जाने से बचने की बात कही है।

बांदा में कई गांव जलमग्न हो गए

बांदा जिले में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर है, जहां केन और यमुना नदियों के बढ़ते जलस्तर की वजह से पैलानी तहसील के कई गांव जलमग्न हो गए। बांदा की जिलाधिकारी जे। रीभा ने सिंधन कला और नंदादेव के बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने खाना-पानी, लाइफ जैकेट वितरण के आदेश दिए हैं और राजस्व विभाग को मेडिकल फैसिलिटीज और साफी पानी समेत सभी जरूरी सुविधाएं के लिए कहा है।

औरैया में यमुना नदी ने लिया विकराल रूप

औरैया में भी यमुना नदी ने विकराल रूप ले लिया है। कई गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। बाढ़ के पानी की वजह से औरैया में कई घर डूब गए हैं। राजस्थान के कोटा बैराज से छोड़े गए 3 लाख क्यूसेक पानी की वजह से औरैया की शांत यमुना नदी ने पानी बढ़ा है। विकराल यमुना नदी की वजह से औरैया की 2 तहसील औरैया तहसील और अजीतमल तहसील क्षेत्र के यमुना नदी किनारे बसे लगभग 1 दर्जन ग्राम बाढ़ की चपेट में आ गए हैं।

अजीतमल तहसील के ग्राम सिकरोड़ी गांव की हालत ज्यादा गंभीर है। इस गांव में कई लोगों को घर उजड़ गए हैं। जिला प्रशासन लगातार बाढ़ प्रभावित गांवों पर नजर बनाए हुए है। बाढ़ पीड़ितों के लिए राशन सामग्री किट भी उपलब्ध कराई जा रही है। औरैया में बहने वाली यमुना नदी वर्तमान में खतरे के निशान से 4।13 मीटर ऊपर बह रही है। खतरे का निशान 113 मीटर है और वर्तमान समय में यमुना नदी 117। 13 मीटर पर बह रही है, जिसकी वजह से तहसील औरैया और अजीतमल क्षेत्र के लगभग एक दर्जन गांव बाढ़ की जद में आ गए हैं। इसके साथ ही बलिया में भी भारी बारिश के बाद एक मकान भरभराकर गिर गया।

कौशांबी में कच्चा मकान गिरने से दो की मौत

कौशांबी में भी कई घंटों से लगातार बारिश हो रही है। यहां मंझनपुर कोतवाली के बहादुरपुर गांव में बारिश की वजह एक कच्चा मकान गिर गया। कच्चे मकान के गिरने से घर में रहे तीन लोग दब गए। मकान में दबकर मां-बेटी की मौत हो गई। वहीं एक बेटी का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी को लेकर जिला प्रशासन की ओर से कावड़ियों के गंगा स्नान के लिए भी खास मैनेजमेंट किया गया है।

गंगा के पानी को समरसेबिल के जरिए से नलों में प्रवेश कराया गया। कांवड़ियों के गंगा स्नान के लिए सैकड़ों नलों की टोटियां लगाई गईं और फव्वारे की व्यवस्था की गई। कांवरिया इसी जगह गंगा स्नान कर और यहां से गंगाजल भर कर शिवालय के लिए रवाना होंगे।गंगा घाटों पर कांवड़ियों के जाने पर प्रतिबंध लगाया गया। जौनपुर में भी दो घंटे की बारिश से सड़कें तालाब बन गईं। लोगों के घरों में पानी घुस गया। जौनपुर के ओलंदगंज, मैहर माता मंदिर गली, कलेक्ट्रेट रोड, ईसापुर आदि स्थानों पर भारी जलजमाव से सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है।

कंपोजिट स्कूल में आशियाना बना रहे लोग

चित्रकूट में भी यमुना नदी का पानी लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। यहां राजापुर, मऊ तहसील के 70 से ज्यादा गांव में यमुना का पानी पहुंच गया है। लोग घर छोड़कर कंपोजिट स्कूल में आशियाना बना रहे हैं। क्योंकि लोगों के घरों में पानी घुस गया है। भदोही में गंगा नदी पर चेतावनी निशान 80।20 मीटर है और यहां नदी 80।24 मीटर पर बह रही है और यहां खतरे का निशान 81.20 मीटर है। यानी गंगा नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु को पार कर गया है।

गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण अब गाजीपुर के गंगा के तटवर्ती इलाके भी इसकी जद में आ रहे हैं, जिसके चलते अब गांव वालों की मुश्किलें बढ़ना शुरू हो गई हैं। इन्हीं मुश्किलों की जानकारी होने पर मुख्तार अंसारी के भतीजे और मोहम्मदाबाद के विधायक शोएब उर्फ़ मन्नू अंसारी भी मोहनदाबाद तहसील के धरमपुरा और फिरोजपुर गांव जो गंगा के बाढ़ से प्रभावित हो गया है वहां के ग्रामीणों से हाल-चाल लेने के लिए पहुंचे। गाजीपुर में भी गंगा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। आज गंगा का जलस्तर 63.980 मीटर है, जो पिछले साल के मुकाबले ज्यादा है।

सगे फूफा ने 9 साल के मासूम की इसलिए दी बलि... यूपी पुलिस में सिपाही है कातिल; आरुष अपहरण-हत्याकांड की कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। देवरिया के भलुअनी थाना क्षेत्र के पटखौली के रहने वाले नौ वर्षीय आरुष का तंत्र-मंत्र के चक्कर में अपहरण किया गया था और फिर हत्या कर दी गई। शनिवार को पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया।

पुलिस ने इस मामले में आरुष के दो फूफा सुरौली थाना क्षेत्र के पैकौली निवासी इंद्रजीत गोंड और गोरखपुर के बड़हलगंज के सिधुआपार निवासी रमाशंकर समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें इंद्रजीत गोंडा में सिपाही के पद पर तैनात है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 16 अप्रैल को अगवा करने के बाद 19 अप्रैल को आरुष की हत्या की गई थी। पटखौली निवासी सोमनाथ गोंड ने बताया कि 17 अप्रैल को भतीजे आरुष के लापता होने की सूचना उन्होंने पुलिस को दी थी। बच्चा 16 अप्रैल की शाम से ही लापता था। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज किया था। काफी समय बाद भी जब इस मामले में कोई नतीजा नहीं निकला तो परिवार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

फूफा इंद्रजीत के मामा का चौंकाने वाला खुलासा

हाईकोर्ट के निर्देश पर पुलिस की जांच में तेजी आई। एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि मामले की जांच के लिए गठित टीम ने एक अगस्त को आरुष के फूफा इंद्रजीत के मामा मदनपुर क्षेत्र के डुमरी निवासी सोखा जयप्रकाश गोंड को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो चौंकाने वाली बातें सामने आईं।

देवी का साया बताकर कराना शुरू किया था झाड़-फूंक

एसपी के मुताबिक जयप्रकाश ने पुलिस को बताया कि सुरौली थानाक्षेत्र के पैकौली निवासी इंद्रजीत गोंड की शादी दिसंबर 2024 में आरुष की बुआ से हुई थी। शादी के बाद ससुराल पक्ष ने उस पर देवी का साया बताकर झाड़-फूंक कराना शुरू किया।

देवी को शांत कराने के लिए दी थी नरबलि की सलाह

झाड़-फूंक करने वाले इंद्रजीत के मामा जयप्रकाश ने देवी को शांत कराने के लिए नरबलि की सलाह दी थी। इसके बाद इंद्रजीत ने गोरखपुर के बड़हलगंज क्षेत्र के सिधुआपार निवासी अपने साढ़ू रमाशंकर उर्फ शंकर से बलि की खातिर बच्चे की व्यवस्था के लिए 50 हजार रुपये में सौदा किया। पुलिस के मुताबिक रमाशंकर ने अपने साले योगेश के बेटे आरुष को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। उसने एक दिन बच्चे को अपने घर में रखा। बाद में इंद्रजीत की मौसी के बेटे सदर कोतवाली के परसिया मिसकारी निवासी भीम गोंड के जरिये बच्चे को इंद्रजीत तक पहुंचा दिया।

बागीचे में चाकू से गला रेतकर आरुष की हत्या की

इंद्रजीत और रमाशंकर ने जयप्रकाश के साथ मिलकर 19 अप्रैल को कोतवाली क्षेत्र के पिपरा चंद्रभान गांव के एक बागीचे में चाकू से गला रेतकर आरुष की हत्या कर दी और शव दफना दिया।

नदी में फेंक दिया शव

अगले दिन 20 अप्रैल को शव निकालकर बोरे में रखकर पिकअप में बरहज के गौराघाट ले गए और नदी में फेंक दिया। इंद्रजीत की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू, फावड़ा, पिकअप और दो बाइक पुलिस ने बरामद की है। पुलिस ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मां की हालत बिगड़ी, गांव में पसरा मातम

आरुष के अपहरण और हत्या के रहस्य से पर्दा हटने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी तंत्र-मंत्र में विश्वास रखते थे। उसी के चलते उन्होंने मासूम की हत्या कर दी। आरुष की मां सविता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार बेहोश हो जा रही है। पिता योगेश गोंड, जो नाइजीरिया में नौकरी करते हैं, वारदात की सूचना पर कुछ सप्ताह पहले गांव पहुंचे थे।

सरयू में शव की कराई जा रही तलाश

आरुष की हत्या का खुलासा होने के बाद पुलिस दो दिनों से एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में आरुष के शव की तलाश करा रही है, मगर दूसरे दिन भी पुलिस खाली हाथ रही। खुलासे में हुई देरी को लेकर लोग पुलिस पर भी सवाल खड़ा कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि उच्च न्यायालय की ओर से मामले में पुलिस को तलब किए जाने और खुलासा करने के सख्त निर्देश के बाद आरुष मामले का पटाक्षेप हो सका है। एसपी ने स्पष्ट किया कि जांच में हर पहलू को ध्यान में रखा गया है। आरोपियों को कठोर दंड दिलाने की तैयारी है। पुलिस की अगली चुनौती शव को बरामद कर साक्ष्य को पुख्ता करना है।

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान में हरख अव्वल

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण अभियान 2025 के तहत हरख ब्लॉक की 75 ग्राम पंचायतों के 4 हज़ार के करीब ग्रामीणों ने स्वच्छता को लेकर अपना फीडबैक एप के माध्यम से भारत सरकार को दिया है। संख्या के आधार पर हरख ब्लॉक जनपद में प्रथम व अयोध्या मंडल में चौथे स्थान पर रहा है। लेकिन ग्रामीणों ने अपने गाँव की स्वच्छता को लेकर ऑनलाइन सर्वे में क्या फीडबैक दिया यह तो ग्राम पंचायत को ग्रेट मिलने पर ही पता चलेगा। विकास खण्ड हरख क्षेत्र की 75 ग्राम पंचायतों के 102 राजस्व गाँव में पौने दो लाख के करीब ग्रामीण रहते हैं। ग्राम पंचायतों में सरकार स्वच्छता को लेकर मोटी रकम खर्च करती है। जिसके लिए सरकार ने 1 से 31 जुलाई तक मोबाइल एप के माध्यम से ग्रामीणों से ऑनलाइन स्वच्छता के प्रति सर्वे

कराया था। जिसमें हरख ब्लाक क्षेत्र के 4002 ग्रामीणों ने स्वच्छता के प्रति अपना गोपनीय फ़ीडबैक भारत सरकार के एप पर दिया है। अब ग्रामीणों ने अपने पंचायत के ग्राम प्रधान की सफाई व्यवस्था को लेकर कितना संतुष्ट हैं। यह बात सरकार द्वारा ग्राम पंचायत की स्वच्छता ग्रेडिंग से पता चलेगा। लेकिन जनपद में सबसे ज्यादा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 को कराने के चलते हरख ब्लाक के प्रभारी सहायक पंचायत अधिकारी बृजेश कुमार व खण्ड प्रेरक प्रदीप यादव को अयोध्या मंडल में सम्मानित किया गया है। इस संबंध में प्रभारी एडीओ पंचायत बृजेश कुमार ने बताया की 1 से 31 जुलाई तक स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 का सर्वे ऐप के माध्यम से कराया गया था। जिसमें हरख ब्लॉक जनपद में नंबर एक व अयोध्या में चौथे स्थान पर रहा है। जिसके लिए हरख ब्लाक को सम्मान भी मिला है।

मुंह में बिस्किट, झाग भी निकल रहा था... मुरादाबाद में अस्पताल के बाहर भाजपा नेता का मिला शव

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के पाकबड़ा थाना क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य द्वार पर भाजपा के एक बूथ अध्यक्ष का शव संदिग्ध हालात में मिला। शव के मुंह से झाग निकल रहा था। चेहरा पूरी तरह नीला पड़ा हुआ था। सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले स्थानीय लोगों ने शव देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान रिंकू सिंह (38 वर्ष), पुत्र सतवीर सिंह, निवासी रतनपुर कलां के रूप में हुई है। यह मामला रतनपुर कलां गांव का है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि घटना की सूचना सुबह करीब 6 बजे मिली थी।

परिजनों ने मौत को हत्या बताया

जांच में सामने आया कि मृतक पेशे से किसान थे और भाजपा में बूथ अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। परिजनों ने मौत को हत्या करार देते हुए आरोप लगाया कि रिंकू को खान-पीने की चीज में कीटनाशक मिलाकर मारा गया है। मृतक के चचेरे भाई अंकित ने बताया कि रिंकू बीती रात करीब 10 बजे से लापता थे। परिजनों ने उन्हें पूरी रात तलाशा, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह कुछ लोग जब टहलने निकले तो उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर रिंकू का शव पड़ा देखा। अंकित ने बताया कि जब वे मौके पर पहुंचे, तो रिंकू के मुंह में बिस्किट फंसा हुआ था और चेहरा नीला पड़ चुका था। वहीं मृतक के चाचा राजेश कुमार ने बताया कि रिंकू का शव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के गेट के पास मिला। वह रात करीब 10 बजे के बाद से लापता हो गए थे। सुबह जब लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले तो शव देखा। इसके बाद परिवार वालों को सूचना दी गई और फिर पुलिस को बुलाया गया।

मृतक के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं

रिंकू रतनपुर कलां गांव में भाजपा के बूथ अध्यक्ष थे। आशंका जताई जा रही है कि खाने-पीने की चीज में जहर मिलाकर उनकी हत्या की गई। परिजनों का कहना है कि रिंकू की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। फिलहाल अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतक के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए। जब शव मिला, तब उसके मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और उनकी शिकायत दर्ज कर ली गई है। मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और विधिक कार्रवाई जारी है। पुलिस का कहना है कि घटना के संबंध में कई साक्ष्य मिले हैं और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

300 कैमरे, 15 पार्किंग, 62 बैरिकेडिंग... मथुरा में श्री कृष्ण जनमाष्टमी के लिए सुरक्षा चाक चौबंद

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। 16 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। इसको लेकर उत्तर प्रदेश की श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा में भी जोरों-शोरों से तैयारियां की जा रही हैं। मथुरा नगरी में भी 16 अगस्त को ही श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। 16 अगस्त की मध्यरात्रि को भगवान का जन्म होगा और अभिषेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस जन्माष्टमी के पर्व पर अनुमान लगाया जा रहा है कि वीकेंड होने के साथ-साथ लाखों की संख्या में श्रद्धालु वृंदावन और मथुरा आएंगे। ऐसे में मथुरा में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर श्री कृष्ण जन्मस्थान को सेक्टर और जोन में विभाजित कर दिया गया है। श्री कृष्ण जन्मस्थान को 3 जोन और 17 सेक्टर में विभाजित कर दिया गया है, जिसमें सेक्टरों के अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक रहेंगे और जोन के डिप्टी एसपी रैंक के अधिकारी रहेंगे। इसके अलावा पुलिसकर्मी और कई पैरामिलिट्री टीम भी सुरक्षा की दृष्टि से तैनात रहेंगी।

300 कैमरे, 62 बैरिकेडिंग की व्यवस्था

इसके साथ ही मंदिर परिसर के अंदर से लेकर बाहर तक 150 कैमरे संस्थान की ओर से और 125 कैमरे सुरक्षा के हिसाब से लगाए जाएंगे। यानी लगभग 300 कैमरे सुरक्षा के मद्देनजर तैनात रहेंगे, जिन पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। वहीं श्रद्धालु और स्थानीय लोगों के लिए 15 पार्किंग, 16 वॉच टावर, 62 बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाएगी।

एंटी ड्रोन से की जाएगी निगरानी

वहीं जन्मभूमि परिसर की व्यवस्था और सुरक्षा के लिए ड्रोन और एंटी ड्रोन से भी निगरानी रखी जाएगी। श्री कृष्ण जन्मभूमि के एसपी सुरक्षा राजकुमार अग्रवाल ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लाखों की संख्या में श्रद्धालु हर साल दर्शन करने आते हैं तो श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन मंदिर में गेट नंबर 3 से श्रद्धालुओं की एंट्री होगी और गेट नंबर 1 से निकास होगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से निवेदन किया कि सभी श्रद्धालु अपने सामान को जो मंदिर का क्लॉक रूम रूम होता है। वहां रखें और किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को पहनकर न आए।

राजा हड़हा रितेश सिंह ने बाल वैज्ञानिक पूजा पालको दिया स्मार्ट फोन

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के नेता राजा रितेश कुमार सिंह तहसील सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के डलाई का पुरवा गांव पहुंचे। उन्होंने बाल वैज्ञानिक पूजा पाल से मुलाकात की, जिन्होंने धूल रहित थ्रेसर का मॉडल बनाकर जापान की राजधानी टोकियो में भारत का नाम रोशन किया है।राजा रितेश सिंह ने कहा कि यह क्षेत्र उनके पिता का रहा है और यहां के लोगों ने हमेशा उनका सहयोग किया है। उन्होंने बताया कि पूजा पाल ने न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे विधानसभा क्षेत्र, जनपद और प्रदेश का नाम रोशन किया है।इस अवसर पर राजा रितेश सिंह ने पूजा पाल को स्मार्ट फोन भेंट किया और शॉल पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने पूजा के उज्जवल भविष्य की कामना की।इस मौके बच्चा सिंह, डॉ. अजीत सिंह, आदेश जैन, राधे लाल यादव, प्रधान सोहन लाल, प्रधान अवधेश कुमार, खुदाबक्श, डॉ. असलम और अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

गड्ढो में तब्दील हो गयी है मूर्तजीपुर की सड़क, ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठे भाकियू कार्यकर्ता

आर्यावर्त संवाददाता

ज़ैदपुर, बाराबंकी। रविवार को भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में ग्रामीणों ने मूर्तजीपुर मोड़ पर टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं। क्योंकि मूर्तजीपुर मार्ग पिछले कई सालों से पूरी तरह जर्जर हालत में गड्ढों में तब्दील हो गया है। जिससे काफी परेशान होकर ग्रामीणों ने यह कदम उठाया है। विकासखंड सिद्धौर ब्लाक की ग्राम पंचायत मुर्तजीपुर का संपर्क मार्ग पिछले दो वर्षों से पूरी तरह से जर्जर है। जर्जर मार्ग के निर्माण के लिए ग्रामीणों के साथ मिलकर भारतीय किसान यूनियन गुट के जिलाध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य राम बरन वर्मा द्वारा अधिशासी अभियंता प्रांतीय खण्ड लोक निर्माण विभाग से की मांग की थी। लेकिन ग्रामीणों की समस्या पर किसी ने ध्यान नही दिया। ज़ैदपुर सिद्धौर मुख्य मार्ग से मूर्तजीपुर गांव की दूरी लगभग तीन किलोमीटर है।

लेकिन पूरी सड़क पर जगह जगह गड्ढे व उखड़ गई है। जिससे ग्रामीणों के साथ स्कूल जाने वाले बच्चों को जान जोखिम में डालकर निकालना पड़ता है। संपर्क मार्ग का निर्माण नहीं होने से नाराज भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष राम बरन वर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने मूर्तजीपुर मोड़ पर अनिश्चितकालीन धरना रविवार को टेंट लगा कर शुरू कर दिया है। जिलाध्यक्ष की मांग है कि जब तक अधिकारी लोकनिर्माण विभाग से कार्य करना शुरू नहीं करेगा। तब तक धरना जारी रहेगा। आष्वासन अधिकारियों द्वारा कई बार दिए गए लेकिन मार्ग का निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया है। जिसके चलते यह धरना शुरू किया गया है। बैठक में पंकज पटेल, लक्ष्मी नारायण वर्मा, सुनील सिंह, सुरेंद्र वर्मा, कलीमुद्दीन, कपिल सहित काफी कार्यकर्ता रहे।

धूम्रपान नहीं करते फिर भी सुरक्षित नहीं हैं फेफड़े, ये आदतें चुपचाप पहुंचा रही हैं गंभीर नुकसान

वायु प्रदूषण श्वसन संबंधित समस्याओं का प्रमुख कारण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वायु प्रदूषण हर साल लगभग 70 लाख लोगों की जान लेता है। इसमें फेफड़े सबसे पहले प्रभावित होते हैं।

धूम्रपान और लंग कैंसर का कनेक्शन

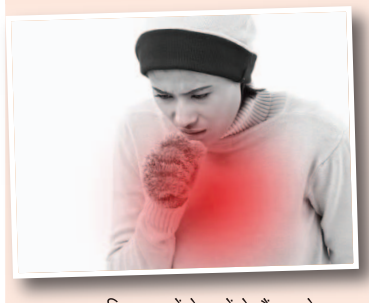

धूम्रपान को फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा कारण माना जाता रहा है। तंबाकू में मौजूद हानिकारक रसायन, जैसे निकोटिन और कार्सिनोजेन्स, फेफड़ों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर का कारण बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के 85% मामले धूम्रपान से जुड़े हुए हैं। इस वजह से, धूम्रपान न करने वाले लोगों में इस बीमारी के प्रति जागरूकता कम रही है। हालांकि, लैंसेट की नई स्टडी ने इस धारणा को तोड़ते हुए बताया है कि धूम्रपान न करने वाले लोग भी इस गंभीर बीमारी की चपेट में आ रहे हैं।

फेफड़ों की बीमारियां कुछ दशकों पहले तक उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्याओं के रूप में जानी जाती थीं, हालांकि अब कम उम्र के लोग यहां तक कि 30 की उम्र से पहले वाले भी इसका शिकार हो रहे हैं। जब भी फेफड़ों की बीमारी की बात आती है तो इसके लिए सबसे पहले धूम्रपान को जिम्मेदार मान जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप कभी सिगरेट को छूते भी नहीं, तब भी आपके फेफड़े खतरे में हो सकते हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है, जो लगभग 85 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है, इसलिए तंबाकू का सेवन न करना फेफड़ों के कैंसर को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है। हालांकि फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए यही काफी नहीं है। हमारे आसपास की कुछ सामान्य चीजें जैसे प्रदूषित हवा, अगरबत्ती या किचन का धुआं आपके फेफड़ों को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचा रही हैं।

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि इन चीजों का प्रभाव समय के साथ गंभीर हो सकता है और ये फेफड़ों की कार्यक्षमता को कम कर सकती हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

लखनऊ स्थित अस्पताल में कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. रवि प्रकाश सिंह बताते हैं, फेफड़ों की

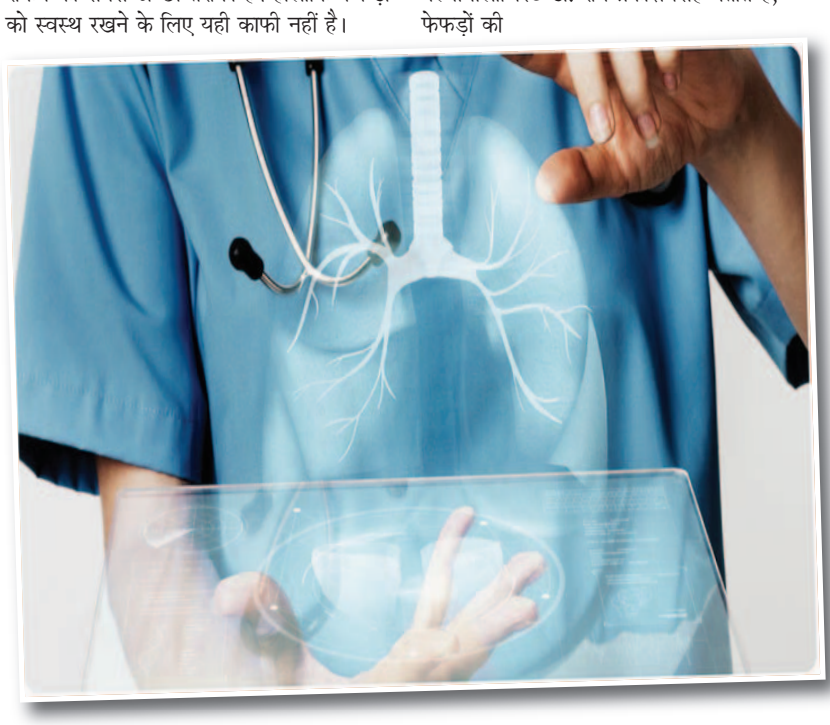

देखभाल का मतलब सिर्फ धूम्रपान से दूरी बना लेना नहीं है। आपको लाइफस्टाइल और अपने आसपास के पर्यावरण और अन्य पारिस्थितिक तंत्रों पर भी गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। फेफड़ों को मजबूत बनाने और इन्हें स्वस्थ रखने के लिए रोजाना सांस लेने के व्यायाम, थोड़ी देर वॉक करने की आदत, तरल पदार्थों का सेवन और प्रदूषण से बचने जैसे उपाय जरूरी हैं।

आइए उन स्थितियों के बारे में जानते हैं जो देखने में तो हानिरहित लगती हैं, लेकिन धीरे-धीरे फेफड़ों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती हैं।

वायु प्रदूषण के संपर्क में रहना

वायु प्रदूषण श्वसन संबंधित समस्याओं का प्रमुख कारण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वायु प्रदूषण हर साल लगभग 70 लाख लोगों की जान लेता है। इसमें फेफड़े सबसे पहले प्रभावित होते हैं। प्रदूषित हवा में मौजूद PM2.5 और NO_2 जैसी सूक्ष्म कणिकाएं सांस के जरिए फेफड़ों में जाकर सूजन और कैंसर तक पैदा कर सकती हैं।

जिन स्थानों पर प्रदूषण अधिक होता है वहां लंग्स से संबंधित समस्याओं का जोखिम भी अधिक देखा जाता रहा है।

घरों का धुआं

लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, लकड़ी, गोबर या कोयले से खाना बनाने वाले घरों में रहने वालों को क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) का खतरा 4 गुना तक बढ़ जाता है। यह धुआं फेफड़ों की वायुमार्ग को नुकसान पहुंचाता है और सांस लेने की क्षमता को कमजोर बना देता है। हालांकि सरकार के प्रयासों की मदद से इस तरह के घरेलू धुएं को कंट्रोल करने में विशेष मदद मिली है।

इनसे भी होता है खतरा

अमेरिकन लंग्स एसोसिएशन की रिपोर्ट कहती है, रूम फ्रेशनर या सेंटेड कैंडल्स भी आपके फेफड़ों को क्षति पहुंचाने वाले हो सकती हैं। इन उत्पादों में मौजूद फॉर्मलडिहाइड और बेंजीन आदि सांस की बीमारियां बढ़ा सकते हैं।

सीडीसी के विशेषज्ञों के अनुसार, जो लोग पैसिव स्मोकिंग (दूसरों के धुएं में सांस लेना) के संपर्क में रहते हैं, उनमें फेफड़ों के कैंसर का खतरा 20–30% तक बढ़ जाता है। बिना सिगरेट पीए भी आप उसी धुएं को अंदर ले रहे होते हैं जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है।

प्रदूषण बन रहा कैंसर की वजह

वैज्ञानिकों का मानना है कि वायु प्रदूषण, खासतौर से PM2.5 जैसे कणों के कारण दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। ये कण फेफड़ों के अंदर तक जाकर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। 2022 में, महिलाओं में फेफड़ों के कैंसर के 80,378 मामले वायु प्रदूषण से जुड़े थे।

इन लोगों को ज्यादा खतरा

स्टडी की मानें, तो लंग कैंसर से होने वाली टोटल डेथ में नॉन-स्मोकर्स पांचवें नंबर पर हैं। ये प्रॉब्लम महिलाओं और एशियाई देशों में ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। एक वैज्ञानिक फ्रेडी ब्रे के अनुसार, आजकल लंग कैंसर के केस बढ़ने के दो कारण हैं - लोगों की स्मोकिंग की आदतें बदल गई हैं और दूसरा वायु प्रदूषण बढ़ गया है।

क्या सच में चुकंदर खाने से खून बढ़ता है? जानें क्या कहते हैं शोध और विशेषज्ञ

चुकंदर को लेकर हमारे समाज में कई सारी भ्रांतियां है, जिसे बहुत से लोग सच मानते हैं। आइए इस लेख में जानते हैं कि क्या चुकंदर सच में आयरन से भरपूर होता है, साथ ही ये भी जानेंगे कि चुकंदर खाने का सही तरीका क्या है और किन लोगों चुकंदर से परहेज करना चाहिए।

अगर आप स्वस्थ रहने के लिए चुकंदर का जूस या कच्चा चुकंदर खाते हैं, तो यह लेख आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हमारे समाज में यह एक आम धारणा है कि चुकंदर खाने से शरीर को प्रचुर मात्रा में आयरन मिलता है और खून की मात्रा तेजी से बढ़ती है। इसी विश्वास के चलते कई लोग एनीमिया या खून की कमी को दूर करने के लिए इसे अपनी डाइट का अहम हिस्सा बना लेते हैं।

हालांकि विशेषज्ञ इस मान्यता पर कुछ अलग ही राय रखते हैं, जिसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए। यह समझना आवश्यक है कि क्या चुकंदर सचमुच शरीर में खून की मात्रा बढ़ाता है, साथ ही ये भी जानना जरूरी है कि चुकंदर खाने का सही तरीका क्या है? आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

क्यों नहीं खाना चाहिए कच्चा चुकंदर या जूस?

यह सच है कि चुकंदर पोषक तत्वों से भरपूर होता है, लेकिन पोषण विशेषज्ञ भावेश गुप्ता के अनुसार, इसे कच्चा या बिना ठीक से धोए खाना जोखिम भरा हो सकता है। चूंकि यह जमीन के अंदर उगता है, इसकी सतह पर हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस और पैरासाइट्स हो सकते हैं, जिससे डायरिया या फूड पॉइजनिंग का खतरा रहता है, और गर्भवती महिलाओं में तो मिसकैरेज का भी डर होता है।

इसके अलावा, कच्चे चुकंदर में भारी धातुएं और कीटनाशक भी हो सकते हैं जो शरीर में महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसमें मौजूद ऑक्सालेट कैल्शियम के अवशोषण में बाधा डालता है। इसलिए चुकंदर को हमेशा अच्छी तरह धोकर और पकाकर ही खाना चाहिए।

क्या चुकंदर से आयरन मिलता है?

कई लोगों को लगता है कि चुकंदर खाने से शरीर को बहुत सारा आयरन मिलता है और ये उनका खून बढ़ा सकता है। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि 100 ग्राम चुकंदर में 1 ग्राम से भी कम, यानी सिर्फ 0.8 मिलीग्राम आयरन मिलता है। यह मात्रा बहुत कम है, खासकर अगर आप इसे आयरन के एक प्रमुख स्रोत के रूप में देख रहे हैं। इसकी तुलना में पालक जैसे अन्य हरे पत्तेदार सब्जियों में आयरन की मात्रा कहीं ज्यादा होती है।

उदाहरण के लिए 100 ग्राम पालक में लगभग 2.7 मिलीग्राम आयरन होता है, जो चुकंदर की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। इसका मतलब है कि सिर्फ चुकंदर पर निर्भर रहने से एनीमिया जैसी गंभीर समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए कच्चा चुकंदर?

कुछ खास स्वास्थ्य स्थितियों वाले लोगों को चुकंदर खाने से परहेज करना चाहिए। किडनी स्टोन के मरीजों को ऑक्सालेट की अधिक मात्रा के कारण इससे पूरी तरह बचना चाहिए, क्योंकि यह पथरी बनने का खतरा बढ़ा सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले व्यक्तियों को भी चुकंदर से परहेज करना चाहिए, क्योंकि इसमें मौजूद नाइट्रेट्स रक्तचाप को और कम कर सकते हैं, जिससे चक्कर या बेहोशी आ सकती है। इसके अलावा पाचन सेंसिटिव लोगों को भी चुकंदर से परहेज करना चाहिए क्योंकि इससे पेट फूलना या दस्त जैसी समस्याएं ट्रिगर हो सकती हैं।

क्या चुकंदर खाना छोड़ दें?

अब बहुत से लोगों के दिमाग में ये सवाल आ रहा होगा कि क्या सच में चुकंदर खाना छोड़ देना चाहिए? उपर्युक्त खतरों और आयरन की कम मात्रा का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि आपको चुकंदर खाना पूरी तरह से छोड़ देना चाहिए। चुकंदर में फाइबर, विटामिन सी, फोलेट और नाइट्रेट्स जैसे कई अन्य फायदेमंद पोषक तत्व भी होते हैं। ऐसे में इसे खाने के लिए सबसे पहले, चुकंदर के ऊपरी परत को अच्छे से साफ करें। इसके चुकंदर को उबालकर या पकाकर डाइट में शामिल करें। पकाने से हानिकारक बैक्टीरिया और पेस्टिसाइड्स का प्रभाव कम होता है और यह पचाने में भी आसान हो जाता है।

बीटूरिया का डर

ज्यादा मात्रा में चुकंदर का जूस पीने से मूत्र और मल का रंग गुलाबी या लाल हो सकता है। इस स्थिति को बीटूरिया कहते हैं। यह आम तौर पर हानिकारक नहीं होती, लेकिन कुछ लोगों के लिए चिंता का विषय हो सकती है। चुकंदर में मौजूद बीटा-साइयानिन नामक पिगमेंट इस रंग बदलाव के लिए जिम्मेदार होता है।

लो ब्लड प्रेशर

चुकंदर में मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड प्रेशर को कम करने में मददगार होते हैं। हालांकि, इसे ज्यादा पीने से ब्लड प्रेशर बेहद कम हो सकता है, खासकर उन लोगों में जिनका ब्लड प्रेशर पहले से ही कम होता है। इससे चक्कर आना, कमजोरी और बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

किडनी स्टोन

चुकंदर में ऑक्सालेट्स की मात्रा ज्यादा होती है। इसलिए ज्यादा मात्रा में इसका जूस पीते हैं, तो जान लें कि यह किडनी में पथरी बनने का खतरा बढ़ सकता है। ऑक्सालेट्स कैल्शियम के साथ मिलकर किडनी में क्रिस्टल बनाते हैं जो समय के साथ पथरी में बदल जाते हैं।

कब पीना चाहिए?

चुकंदर का जूस दोपहर या शाम को पीना सबसे अच्छा होता है। दोपहर में यह थकान दूर करने में मदद करता है और शाम को यह शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है।

बीएसएनएल का फ्रीडम प्लान, 1 रूपए में 4जी सिम के साथ सब कुछ मुफ्त

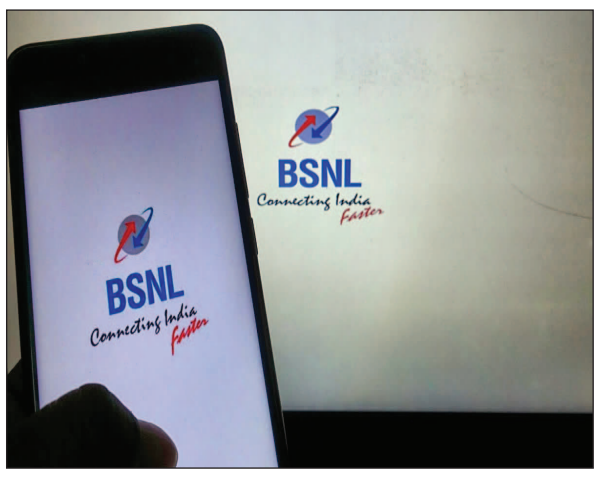

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सरकारी दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने धांसू प्लान पेश किया है। इसका नाम फ्रीडम प्लान है, जिसकी कीमत मात्र 1 है। यह प्लान स्वतंत्रता दिवस से लगभग दो हफ्ते पहले लॉन्च किया गया है, जो सीमित समय के लिए है। इसका प्लान के जरिये यूजर्स एक महीने के लिए 4जी की सेवाओं का मुफ्त लाभ उठा सकते हैं। बीएसएनएल ने एक बयान में कहा, यह पहल बीएसएनएल द्वारा भारत के स्वतंत्रता दिवस के उत्सव का प्रतीक है और नागरिकों को भारत की स्वदेशी रूप से विकसित 4जी तकनीक का मुफ्त अनुभव करने का अवसर प्रदान करती है।

यह सीमित अवधि की पेशकश 1 अगस्त, 2025 से 31 अगस्त, 2025 तक वैध है। इस प्लान में असीमित वॉयस कॉल, प्रतिदिन 2 जीबी हाई-स्पीड डेटा, 100 एसएमएस और एक बीएसएनएल सिम मुफ्त उपलब्ध है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के नेतृत्व वाला कंसोर्टियम, जिसमें घरेलू उपकरण निर्माता तेजस नेटवर्क्स और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) शामिल हैं, वर्तमान में बीएसएनएल के वाणिज्यिक 4जी प्रवेश के लिए 1 लाख साइटों की स्थापना कर रहा है।

बीएसएनएल सीएमडी रॉबर्ट जे रवि ने कहा, बीएसएनएल के 4जी के साथ - जिसे आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत डिजाइन, विकसित और स्थापित किया गया है - हमें भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल करने पर गर्व है, जिन्होंने अपना खुद का दूरसंचार स्टैक बनाया है।

उन्होंने कहा कि बीएसएनएल देश भर में मेक-इन-इंडिया तकनीक का उपयोग करके एक लाख 4जी साइट्स स्थापित कर रहा है। यह पहल सुरक्षित, उच्च-गुणवत्ता और किफायती मोबाइल कनेक्टिविटी के साथ डिजिटल इंडिया को सशक्त बनाने की दिशा में काफ अहम है।

कंपनी ने कहा कि इच्छुक नागरिक नजदीकी बीएसएनएल ग्राहक सेवा केंद्र, रिटेलर पर जाकर या टोल-फ्री नंबर 1800-180-1503 पर कॉल करके फ्रीडम प्लान का लाभ उठा सकते हैं। कंपनी ने कहा, बीएसएनएल के मेड-इन-इंडिया 4जी के साथ आजादी का जश्न मनाएं।

वित्तीय फैसलों पर पत्नी से खुलकर करें बात, लक्ष्यों को दें प्राथमिकता

पति और पत्नी के बीच सामंजस्य के कई कारक होते हैं। अगर आपके अपने जीवनसाथी के साथ पैसों को लेकर आपका अच्छा तालमेल नहीं है तो आप अच्छे रिश्ते में नहीं हैं। इसलिए, पैसों के इस्तेमाल के साथ अन्य वित्तीय फैसले लेते समय पत्नी को भी विश्वास में लें और उनसे खुलकर बातचीत करें।

शादी एक निवेश की तरह है। यह एक लंबे समय तक चलने वाला और एक गंभीर मसला है। किसी भी निवेश की तरह, शादी में भी कुछ उतार-चढ़ाव आते हैं, लेकिन अंततः आप एक-दूसरे से एक बंधन में बंधे होते हैं। मैंने ऐसे कई परिवारों को देखा है जो एक साथ खूब मौज-मस्ती करते हैं। खूब यात्रा करते हैं, लेकिन पैसे खर्च करने पर एक-दूसरे से बहुत कम बात करते हैं। एक दंपती होकर भी अगर पैसे के बारे में खुलकर बात नहीं करते तो आगे चलकर यह बड़े मनमुटाव का कारण बन सकता है।

हाल के दिनों में मेरे मित्र अजय के कुछ वित्तीय फैसले उनकी पत्नी आरती को अच्छे नहीं लगे। बेफिक्र होकर ज्यादा खर्च करने के उनके तरीकों ने मुझे भी परेशान किया, लेकिन मुझे पता था कि दोस्ती में अपनी सीमाएं होती हैं। मैंने आरती से सहजता से बात की तो उन्होंने बताया कि कैसे अजय बड़े वित्तीय फैसलों पर ठीक से ध्यान नहीं दे रहे थे। उनकी 20 साल की बेटी की कुछ वर्षों में शादी हो जाएगी और बेटा दो साल बाद कॉलेज में चला जाएगा। रिटायरमेंट के बारे में भी कोई प्लानिंग नहीं है, जिसके बारे में वह चिंतित रहती थीं। अजय वित्तीय लक्ष्यों को प्राथमिकता दिए बिना अपना जीवन बड़ी बेफिक्री से जी रहा था। अजय सिर्फ दिमागी गुणा गणित में विश्वास करते थे, जिसका मतलब था कि वह अक्सर मानते थे कि उनके पास वास्तव में जितना पैसा था, उससे कहीं अधिक पैसा है।

पैसा खर्च करने पर चर्चा को रहें तैयार

सभी पति-पत्नी को मेरा सुझाव है कि उन्हें पैसे खर्च करने पर चर्चा करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आपका जीवनसाथी मानता है कि आप आर्थिक रूप से मजबूत हैं और वह नौकरी छोड़ने का फैसला करता है, तो क्या आप वाकई इसके लिए तैयार हैं? या यदि आप कल अपना खुद का बिजनेस करने में हाथ आजमाने का निर्णय लेते हैं तो दोनों की मिली जुली राशि आपको इसकी अनुमति देती है?

सूची बनाकर कर सकते हैं अच्छी शुरुआत

स्वस्थ वित्तीय संबंध की अच्छी शुरुआत एक वित्तीय सूची बनाकर सकते हैं। मसलन, आपके पास क्या है, आप पर क्या बकाया है, कार्यस्थल पर आपको क्या लाभ मिलता है, आपके वित्तीय लक्ष्य और भविष्य की उम्मीदें क्या हैं आदि। इस बारे में सोचें कि आप साथ मिलकर क्या हासिल करना चाहते हैं। साझा जीवन में आगे बढ़ने पर आपको कैसे एडजस्ट करना होगा।

मनी मैटर में जब जीवनसाथी सहयोगी न हो

लेकिन, क्या होगा अगर आपका जीवन साथी इन मनी मैटर में सहयोग नहीं करता है? पति-पत्नी के रूप में आपके वित्तीय लक्ष्य समान होने चाहिए और इस पर मिलजुल कर फैसले लेने की जरूरत होती है। पैसे के बारे में एक-दूसरे से खुलकर बात करें। क्या आ रहा है और क्या जा रहा है। यहां तक कि ठीक से शादियां करने में भी कितना होम वर्क करना पड़ता है। खुले माहौल में बातचीत के साथ, एक रोडमैप बनाएं जो हर पार्टनर के लक्ष्यों और उनके पर्सनल हिस्ट्री पर भी विचार करे। जीवन की परिस्थितियों के कारण पैसे को लेकर हमारी प्रतिक्रिया अलग-अलग होती है। लेकिन, एक टीम के रूप में एक साथ काम करने का कमिटमेंट, सफलता का मार्ग तो प्रशस्त ही करता है, साथ थी मन की शांति भी सुनिश्चित हो जाती है।

तुम्हारा, मेरा व हमारा बजट भी अच्छी आदत

'तुम्हारा, मेरा व हमारा' बजट बनाना भी अच्छी आदत है। यदि आप दोनों नौकरीपेशा हैं, तो आपको यह तय करने में मदद मिलेगी कि कौन कितना खर्च करेगा। यदि आपका साथी कमा नहीं रहा है, तो यह और भी महत्वपूर्ण है कि आप उनके साथ बिना कुछ छुपाये आमदनी साझा करें ताकि उन्हें पता चल सके कि आप वित्तीय रूप से कहां खड़े हैं। इससे उन्हें वास्तविक स्थिति जानने और अपनी वित्तीय अपेक्षाओं को समायोजित करने में मदद मिलेगी। अपने जीवनसाथी को इसमें शामिल कर परिवार के सभी वित्तीय निर्णयों के लिए पूरी तरह जिम्मेदार मानेंगे और ऐसा करने से खुद को भी राहत महसूस होगी।

पूर्वी भारत में खाद्य क्षेत्र के विस्तार की बड़ी संभावना, आइसक्रीम बाजार पर टिकी निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग जगत के लीडर्स का मानना है कि पूर्वी भारत में खाद्य उद्योग क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। यह टिप्पणी शनिवार को इंटरनेशनल कोलकाता फूडटेक 2025 के उद्घटान सत्र में की गई। साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में मौजूदा चुनौतियों का भी जिक्र किया।

बेकरी क्षेत्र के लिए अपार अवसर

लीडर्स के अनुसार बेकरी क्षेत्र में पूर्वी भारत अग्रणी है, लेकिन आइसक्रीम की श्रेणी में यह अभी भी पीछे है। ड्रीम बेक की सीईओ नेमिशा घिया ने टिकाऊ पैकेजिंग को अपनाने का आह्वान किया। साथ ही हितधारकों से अपील किया कि वे इस बात का पता लगाएं कि यह क्षेत्र किस प्रकार उद्योग में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है।

विनिर्माण केंद्र बनने की जरूरत

भीखाराम चांदमल के निदेशक आशीष अग्रवाल ने कहा कि भले ही पूर्वी भारत मिठाई और नमकीन का एक प्रमुख उपभोक्ता है, फिर भी यह अभी तक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर नहीं पाया है।

आइसक्रीम बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना

भारतीय आइसक्रीम निर्माता संघ के उपाध्यक्ष अनुव्रत पबराय ने कहा कि इस क्षेत्र में आइसक्रीम बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। उन्होंने कहा कि हालांकि वर्तमान में इस क्षेत्र में देश की कुल आइसक्रीम खपत का केवल 15 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं पश्चिम में 35 प्रतिशत और उत्तर व दक्षिण में 25-25 प्रतिशत है। लेकिन कम आधार को तेजी से विस्तार के एक बड़े अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

रूस के कामचटका से अभी टला नहीं खतरा, भूकंप के बाद ज्वालामुखी में विस्फोट... 600 साल बाद हुई घटना

मॉस्को, एजेंसी। पिछले हफ्ते रूस के में कामचटका में 8.8 तीव्रता के विशाल भूकंप आया था। अब कामचटका में एक और मुसीबत दस्तक दे रही है। देश के इमरजेंसी डिपार्टमेंट ने रविवार को जानकारी दी कि करीब 600 साल बाद पहली बार कामचटका ज्वालामुखी फटा है। रूसी सरकारी मीडिया की ओर से जारी फुटेज में क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी से राख का विशाल गुबार निकलता हुआ दिखाई दे रहा है, जो स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन के वैश्विक ज्वालामुखी कार्यक्रम के मुताबिक आखिरी बार 1550 में फटा था, कुछ लोग इसके फटने का समय 600 साल पूर्व बता रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि ज्वालामुखी विस्फोट बुधवार को कामचटका के निकट आए भूकंप से जुड़ा हो सकता है, जिसकी वजह से फ्रेंच पोलिनेशिया और चिली तक के क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई, जबकि सुनामी की लहरों ने जापान, रूस और अमेरिका के कुछ हिस्सों को प्रभावित किया था।

ज्वालामुखी विस्फोट से बना डर

भूकंप के बाद क्ल्युचेव्स्कॉय ज्वालामुखी विस्फोट से कामचटका क्षेत्र में डर का माहौल है। रूस के आपातकालीन सेवा मंत्रालय ने कहा कि कमचटका प्रायद्वीप में हुए विस्फोट के बाद ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जो विमानों के लिए बढ़े हुए खतरे का संकेत देता है। जिसकी वजह से कई उड़ाने प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में आबादी नहीं है, लेकिन इसके खतरनाक रूप लेने से बड़े नुकसान की आशंका है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक रूसी मंत्रालय ने टेलीग्राम पर कहा, "राख का बादल पूर्व की ओर, प्रशांत महासागर की ओर बढ़ रहा है। इसके रास्ते में कोई आबादी वाला इलाका नहीं है।"

पिछले हफ्ते आया था विनाशकारी भूकंप

रूस के कामचटका प्रायद्वीप में बुधवार को 8.8 तीव्रता का एक ज़बरदस्त भूकंप आया, जिससे प्रशांत महासागर में सुनामी की लहरें उठीं और जापान से लेकर हवाई और चिली तक दहशत फैल गई थी। रूस के बंदरगाह शहरों में बाढ़ आ गई, लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था। ये इतिहास में दर्ज सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक था। वैज्ञानिकों ने संभावित आफ्टरशॉक्स की चेतावनी दी है और सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

फिलिस्तीनी की आजादी तक नहीं डालेंगे हथियार.. हमास की अमेरिकी दूत को दो टूक

हमास, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से कई मीडिया रिपोर्ट्स में अमेरिका के मध्य पूर्व विशेष दूत के हवाले से कहा गया था कि हमास ने हथियार डालने की इच्छा जाहिर की है। हमास ने एक बयान जारी कर ऐसी सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। हमास ने कहा है कि वह तब तक हथियार नहीं छोड़ेगा जब तक कि एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना नहीं हो जाती, जिसकी राजधानी यरुशलम हो। बयान में आगे कहा गया है, "हम इस बात को साफ करते हैं कि जब तक कब्जा जारी रहेगा, प्रतिरोध और उसके हथियार एक वैध राष्ट्रीय और कानूनी अधिकार हैं। यह अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों द्वारा मान्यता प्राप्त है, और इसे हमारे राष्ट्रीय अधिकारों की पूर्ण बहाली के अलावा और कोई नहीं छुड़ा सकता। जिसमें सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, एक स्वतंत्र, पूर्ण संप्रभु फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना जिसकी राजधानी यरुशलम हो।" शुक्रवार को ट्रंप के खास दूत विटकॉफ ने गाजा में विवादास्पद गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (GHF) की ओर से संचालित एक मानवीय सहायता केंद्र का दौरा किया था। हमास ने अपने बयान में इस दौरे की भी निंदा की और इसे एक 'पूर्व-नियोजित नाटक से ज़्यादा कुछ नहीं' बताया। हमास ने कहा कि ये दौरा इजराइल की ओर से चलाए जा रहे फिलिस्तीनियों को भूखे मारने के ऑपरेशन को कवर दे रहा है। विटकॉफ ने कहा कि वह गाज़ा में पांच घंटे से ज्यादा समय तक रहे। शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, "इस यात्रा का मकसद राष्ट्रपति ट्रंप को मानवीय स्थिति की साफ समझ प्रदान करना और गाजा के लोगों तक भोजन और चिकित्सा सहायता पहुंचाने की योजना बनाने में मदद करना था।

नोबेल शांति पुरस्कार लेकर ही रहेंगे डोनाल्ड ट्रंप? पाकिस्तान के बाद इस देश का भी मिला साथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने जून में मुलाकात की थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच पर बुलाया था, उस समय सब हैरान थे कि पाक सेना प्रमुख को ट्रंप लंच पर क्यों बुला रहे हैं। इसी मुलाकात में असीम मुनीर ने अमेरिका राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार नामित किया था। अब एक और देश की ओर से ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया जा सकता है।

नया नोबेल पुरस्कार नॉमिनेशन भी पिछले की तरह ही होने वाला है। हाल ही में ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने कंबोडिया और थाईलैंड में युद्ध विराम कराया है। अब कंबोडिया, डोनाल्ड ट्रंप को थाईलैंड के साथ युद्ध विराम कराने में उनकी भूमिका के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करेगा।

कंबोडिया के उप-प्रधानमंत्री सन चैंथोल ने इस कूटनीतिक सफलता के लिए ट्रंप की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका देश इस पुरस्कार के लिए उनके नाम की सिफारिश करेगा। इस सफलता ने दोनों पड़ोसियों के बीच संघर्षों को खत्म कर दिया, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए।

ट्रंप की भागीदारी से शांति

न्यूजवीक की खबर के मुताबिक कंबोडिया के इस बयान पर व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अन्ना केली ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की वैश्विक संघर्षों में प्रत्यक्ष भागीदारी, अमेरिका की सैन्य शक्ति से लेकर हमारे बेहतर उपभोक्ता बाजार तक के साधनों का लाभ उठाकर, दुनिया भर में दशकों से चल रहे युद्धों में शांति लाई है।

नोबेल शांति पुरस्कार

नोबेल शांति पुरस्कार ऐसे व्यक्ति या संगठन को दिया जाता है जिसने 'राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा दिया हो।' ट्रंप का नॉमिनेशन इजराइल और पाकिस्तान की ओर से पहले ही किया जा चुका है। लेकिन इसके पीछे व्हाइट हाउस द्वारा उनकी भू-राजनीतिक सौदेबाजी को समझा जा रहा है। चान्थोल ने कहा कि ट्रंप के हस्तक्षेप के बिना, कंबोडिया और थाईलैंड के बीच लड़ाई को खत्म करने के लिए संभवतः कोई समझौता नहीं हो पाता, जिसमें विवादित सीमा के दोनों ओर कम से कम 45 लोग मारे गए। बता दें इस विवादित सीमा को फ्रांस द्वारा खीचा गया था, जब उन्होंने इन दोनों देशों को अपने कब्जे से आजाद करा था।

रूस में फिर आया भूकंप... कुरील द्वीप में 6.7 तीव्रता के झटके

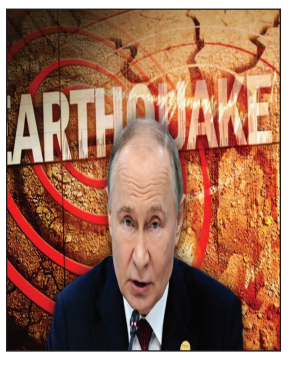

मॉस्को, एजेंसी। रूस एक बार फिर भूकंप के झटकों से दहल गया है. जर्मन जियोसाइंस रिसर्च सेंटर ने बताया कि रविवार को रूस के कुरील द्वीप समूह में 6.17 तीव्रता का भूकंप आया। एजेंसी ने शुरुआत में भूकंप की तीव्रता 6.135 आंकी थी, जिसका केंद्र 10 किलोमीटर (6.12 मील) की गहराई पर बताया गया था।

अमेरिका के जियो साइंस सर्वे ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 7 थी। प्रशांत सुनामी वार्निंग सिस्टम ने भी भूकंप की तीव्रता 7.10 आंकी है, प्रशांत सुनामी वार्निंग सिस्टम ने कहा कि भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी नहीं दी गई। लेकिन पिछले बुधवार से रूस पर लगातार बड़े भूकंप का खतरा बना हुआ है और इमरजेंसी डिपार्टमेंट ने अलर्ज जारी किया है।

भूकंप से रूस में खतरा

रूस के कामचटका प्रायद्वीप में बुधवार को 8.18 तीव्रता का एक जबरदस्त भूकंप आया था, जिससे प्रशांत महासागर में सुनामी की लहरें उठीं और जापान से लेकर हवाई और चिली तक दहशत फैल गई। रूस के बंदरगाह शहरों में बाढ़ आ गई, लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के आदेश दिए गए और भूकंप के तुरंत बाद एक ज्वालामुखी फट गया।

इस भूकंप को इतिहास में दर्ज सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक माना गया है, रूस में इसके बाद से व्यापक अलर्ट जारी हैं, वैज्ञानिकों ने संभावित आफ्टरशॉक्स की चेतावनी दी है और सावधानी बरतने का आग्रह किया है। हाल ही में कुलीर में आए भूकंप ने चिंता को और बढ़ा दिया है।

कामचटका में ज्वालामुखी भी फटा

देश के इमरजेंसी डिपार्टमेंट ने रविवार को जानकारी दी कि करीब 600 साल बाद पहली बार कामचटका ज्वालामुखी फटा है। जिसकी फुटेज में दूर से ही धुए का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। कई जानकारों ने माना है कि ये भूकंप ज्वालामुखी को आए विनाशकारी भूकंप के बाद फटा है।

टीआरएफ से लेकर एफएटीएफ तक... प्रियंका चतुर्वेदी का मणिशंकर अय्यर को जवाब, पाकिस्तान के खिलाफ बने प्रतिनिधिमंडल की रही हैं सदस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता मणिशंकर ने अय्यर द्वारा ऑपरेशन सिंदूर और अलग-अलग देशों में गए डेलीगेशन समूह को लेकर एक बयान दिया था। शिवसेना (UBT) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मणिशंकर अय्यर ने अमन की आशा के बारे में ऐसे समय में बात की है, जब पहलगाम हमले में 26 लोग अपनी जान गवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह एक निष्कासित कांग्रेसी

नेता है।

बता दें कि कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि अलग-अलग देशों में गए भारत के प्रतिनिधिमंडल में से किसी ने भी पाकिस्तान को हमले का जिम्मेदार नहीं ठहराया। अय्यर ने कहा कि भारत के पास ऐसा कोई सबूत ही नहीं है जिससे यह सिद्ध हो सके कि पहलगाम हमला पाकिस्तान ने करवाया है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने मणिशंकर अय्यर को घेरते हुए कहा हमें अय्यर के पिछले इतिहास को नहीं भूलना चाहिए। वह पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंधों के लिए एक मुखर आवाज थे। उन्होंने कहा कि वह कई बार पाकिस्तान गए हैं। उन्होंने अमन की आशा के बारे में तब बात की है जब पहलगाम हमले में 26 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और इस हमले के बाद पर्यटन ने जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि कि मुझे लगता है कि वह एक निष्कासित कांग्रेसी नेता हैं। वह अब कांग्रेस में नहीं हैं।

प्रतिनिधि मंडल के रूप में किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि हम सभी ने एक भारतीय के रूप में और प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने इस डेलीगेशन का दुनिया में क्या असर पड़ा इस पर बात करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि टीआरएफ को अब अमेरिका द्वारा एक आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। बहुत जल्द संयुक्त राष्ट्र भी इस संगठन को आतंकवादी घोषित कर देगा। इसके अलावा, एफएटीएफ ने भी स्पष्ट रूप से कहा है कि हमें यह भी समझना होगा कि हम ध्यान रखना होगा की हमारे द्वारा दिए जा रहे कर्ज का पैसा कहां जा रहा है।

प्रयासों को समझकर करे सराहना

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि कभी-कभी शब्दों से ज्यादा जरूरी होता है काम करना। शायद अय्यर ने भी यही सुना नहीं होगा। उन्होंने कहा इसलिए वह इस बात को समझे कि प्रत्येक भारतीय पाकिस्तान के आतंकवाद के मुद्दे को वैश्विक मंच पर उठाने की पूरी कोशिश की है। उन्होंने कहा कि पिछले 7 दशकों से अधिक समय से भारत जो आतंकवाद सहन कर रहा है उसे विश्व के सामने लाने में प्रतिनिधि मंडल के प्रत्येक सदस्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिवसेना नेता ने कहा कि उसके प्रयासों को समझ कर उनकी सराहना करें।

असम के कारोबारी का कत्ल, पत्नी और नौवीं में पढ़ने वाली बेटी थी मास्टरमाइंड, सुपारी किलर से अफेयर वाली क्या है कहानी?

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के डिब्रूगढ़ में एक कारोबारी की हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी और नाबालिग बेटी समेत चार को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि मृतक की बेटी और पत्नी ने ही कारोबारी की हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए उन्होंने दो सुपारी किलर को हायर किया था। पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया है और उनकी पहचान भी कर ली गई है।

दरअसल, डिब्रूगढ़ के लाहोवाल के लाहोन गांव के रहने वाले कारोबारी उत्तम गोगोई की 25 जुलाई को हत्या कर दी गई थी। उत्तम गोगोई को मारने के बाद उनकी हत्या को लूट का रूप देने की कोशिश भी की गई थी। हालांकि, जब पुलिस को मामले की जानकारी लगी और पुलिस मामले की जांच में जुटी तो उत्तम गोगोई की पत्नी और बेटी की साजिश का पर्दाफाश हो गया। अब पुलिस ने दोनों सुपारी किलर और पत्नी-बेटी सभी को गिरफ्तार कर लिया है।

अब उत्तम गोगोई की हत्या के मामले में उनकी नाबालिग बेटी और पत्नी बॉबी गोगोई के शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक मां बॉबी गोगोई और बेटी दोनों ने उत्तम गोगोई की हत्या के लिए दो लोगों दीपज्योति बुरागोहेन और गौरांग पात्रा को सुपारी दी थी। मां-बेटी ने दोनों को कई लाख रुपये और सोने के गहने देने के लिए कहा थे। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद सभी ने मिलकर उत्तम गोगोई की हत्या को एक लूट का रूप देने की कोशिश की।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर आर्मी ऑफिसर का तांडव- स्पाइसजेट के कर्मचारियों को लात-घूसों से पीटा, टूटी हड्डी, अस्पताल में भर्ती

श्रीनगर। श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या SG-386 के बोर्डिंग गेट पर एक यात्री ने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर गंभीर हमला किया। यह हमला श्रीनगर एयरपोर्ट पर हुआ। स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने बताया कि यात्री ने स्पाइसजेट के कर्मचारियों पर लात-घूंसे से हमला जिससे हमारे कर्मचारियों की रीढ़ की हड्डी टूट गई और उनके जबड़े में गंभीर चोटें आईं।

उन्होंने बताया कि स्पाइसजेट का एक कर्मचारी बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। बेहोश होने के बावजूद भी यात्री उस कर्मचारी को लात-घूँसे मारता रहा। बेहोश हुए कर्मचारी की मदद के लिए नीचे झुके एक व्यक्ति के जबड़े पर जोरदार लात मारने से उसकी नाक और मुंह से खून बहने लगा। घायल कर्मचारियों को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में कर्मचारियों का इलाज चल रहा है।

मारपीट करने वाला यात्री एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी था। प्रवक्ता ने बताया कि यात्री दो केबिन बैगेज ले जा रहा था जिसका कुल वजन 16 किलो था, जो 7 किलो की अनुमत सीमा से दोगुना से भी ज्यादा था। उन्होंने बताया कि जब उस यात्री से अतिरिक्त सामान पर लागू शुल्क भुगतान करने को कहा गया तो उसने इंकार कर दिया और बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए बिना ही जबरदस्ती एयरोब्रिज में घुसकर विमानन सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। उसे एक सुरक्षा गार्ड द्वारा वापस गेट तक पहुंचाया गया। अधिकारी ने बताया कि गेट पर उस यात्री का व्यवहार और भी आक्रामक हो गया और उसने स्पाइसजेट ग्राउंड स्टाफ के चार सदस्यों के साथ मारपीट कर दी।

प्रवक्ता ने बताया कि स्थानीय पुलिस में एक एफआईआर दर्ज की गई है और एयरलाइन ने नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार यात्री को अब नो-फ्लाई सूची में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके बाद अब वह यात्री फ्लाइट से यात्रा नहीं कर पाएगा। अधिकारी ने बताया कि स्पाइसजेट ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर अपने कर्मचारियों पर हुए जानलेवा हमले की जानकारी दी है। उन्होंने मंत्रालय से अनुरोध किया कि यात्री के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। एयरलाइन ने एयरपोर्ट से इस घटना का सीसीटीवी वीडियो लेकर पुलिस को सौंप दिया है।

प्रीति जिंटा से लेकर फराह खान तक, आईवीएफ के जरिए ये सेलेब्स बने माता-पिता

बॉलीवुड के कई सेलेब्स हैं जिन्होंने आईवीएफ या सरोगेसी का सहारा लिया है और माता-पिता बने हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

आज पूरी दुनिया में 'विश्व भ्रूणविज्ञानी दिवस' मनाया जा रहा है। साल 1978 में आज ही के दिन आईवीएफ की मदद से सबसे पहले बच्चे का जन्म हुआ था। ऐसे में आज हम आपको बताने वाले हैं कि वह कौन से बॉलीवुड सेलेब्स हैं जो आईवीएफ या सरोगेसी के जरिए मां-बाप बने हैं।

फराह खान

बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर फराह खान ने साल 2008 में तीन बच्चों, जार, दिवा और आन्या को जन्म दिया। वह 43 साल की उम्र में आईवीएफ की मदद से मां बनीं। फराह खान ने साल 2004 में फिल्म निर्माता शिरीष कुंदर से शादी की थी। वह प्राकृतिक तरीके से मां नहीं बन पाईं। इसके बाद उन्होंने मां बनने के लिए आईवीएफ का सहारा लिया।

प्रीति जिंटा

प्रीति जिंटा बॉलीवुड की उन हस्तियों में शामिल हैं जिन्होंने आईवीएफ अपनाया है। प्रीति जिंटा ने 2021 में आईवीएफ उपचार का विकल्प चुना और अपने पति जीन गुडइनफ के साथ जुड़वां बच्चों, जय और जिया को जन्म दिया। उन्होंने 2016 में लॉस एंजिल्स में एक निजी समारोह में जीन गुडइनफ से शादी की थी।

किरण राव

आमिर खान की पूर्व पत्नी और फिल्म निर्माता किरण राव भी आईवीएफ सरोगेसी के जरिए 2011 में मां बनीं थीं। उनके बेटे का नाम आजाद है। बताया जाता है कि उन्होंने पांच साल तक प्राकृतिक रूप से मां बनने की कोशिश की थी। किरण राव ने साल 2005 में आमिर खान के साथ शादी की थी। दोनों 2021 में तलाक के जरिए अलग हो गए।

गौरी खान

फिल्म निर्माता गौरी खान भी उन बॉलीवुड हस्तियों में से एक हैं जिन्होंने आईवीएफ सरोगेसी अपनाया। गौरी खान पहले दो बच्चों आर्यन खान और सुहाना खान की मां बन चुकी थीं। इसके बाद उन्होंने आईवीएफ सरोगेसी की मदद ली। इसके बाद उनके बेटे अबराम खान का जन्म हुआ।

इन सेलेब्स ने भी ली आईवीएफ की मदद

आपको बता दें तुषार कपूर, करण जौहर, सनी लियोनी और डेनियल वेबर, सुहेल खान और सीमा खान, कृष्णा अभिषेक जैसे सेलिब्रिटी भी या तो आईवीएफ या सरोगेसी के जरिए माता पिता बने हैं।

सोनाली बेंद्रे ने बताया सफल शादी का राज, बोलीं- सम्मान सबसे जरूरी

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे इन दिनों पति-पत्नी और पंगा को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने बताया कि शादी को कामयाब बनाने के लिए पति-पत्नी दोनों को रोजाना अपने रिश्ते पर ध्यान देना चाहिए। इसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ता तभी मजबूत रहता है जब दोनों मिलकर इसको सहेजते हैं।

सोनाली ने कहा, आज के यंग कपल्स को सलाह देना मुश्किल है, क्योंकि वे मानते हैं कि उन्हें सब कुछ पहले से पता है। उनके पास इंटरनेट है। गूगल और चैटजीपीटी जैसे टूल्स हैं, जो हर सवाल का जवाब फौरन दे देते हैं। इसलिए, वे किसी की भी सलाह को गंभीरता से नहीं लेते, और उन्हें सलाह देने की कोशिश करने वाले अक्सर नाकाम हो जाते हैं।

सोनाली बेंद्रे ने अच्छी शादी का राज बताते हुए कहा, मेरे हिसाब से शादी ऐसी चीज है, जिसमें रोज थोड़ी-थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसे कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। दोनों पति-पत्नी को मिलकर इस रिश्ते पर काम करना होता है और साथ ही एक-दूसरे का सम्मान करना बहुत जरूरी है।

बेंद्रे ने बताया कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो बराबरी और आपसी साझेदारी पर टिकता है।

उन्होंने कहा, जरूरी नहीं कि हर काम में हम एक जैसे हों, लेकिन हमारी खूबियां एक-दूसरे की खामियों को पूरा करें। अब मुझे कुछ चीजें अच्छे से आती हैं, और कुछ मेरे पति को, तो हम अपनी जिम्मेदारियां उसी हिसाब से बांटते हैं। शादी का मतलब है एक-दूसरे का साथ। वक्त के साथ समझ आता है कि कभी-कभी आप ज्यादा समझौता करते हैं, और कभी आपका पार्टनर करता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बराबरी का मतलब हर छोटे काम में बराबरी नहीं बल्कि लंबे सफर में एक-दूसरे की इज्जत और परवाह सबसे जरूरी है। यानि शादी में हर चीज बराबर नहीं होती, लेकिन प्यार, सम्मान और सहयोग सबसे अहम होते हैं।

सोनाली बेंद्रे मानती हैं कि इंटरनेट अपने साथ दुनिया और रिश्तों में बहुत बड़ा बदलाव लाया है।

उन्होंने कहा, अब बहुत तेजी से बदलाव हो रहा है। पहले एक जेनरेशन बदलने में 20-25 साल लगते थे, लेकिन अब ऐसा लगता है कि हर 3 साल में चीजें बदल जाती हैं। सब कुछ एकदम उल्टा हो गया है। इंटरनेट ने लोगों के जीने और जुड़ने के तरीके ही बदल दिए हैं।

बता दें, अभिनेत्री कलर्स टीवी के नए शो पति, पत्नी और पंगा में नजर आएंगी। इस शो में सोनाली के साथ कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी भी को-होस्ट के रूप में होंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com